{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 05 अक्टूबर 2026
अश्विन कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 15
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

उदयनिधि स्टालिन पर एफआईआर दर्ज

चेन्नई। तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा उपचुनाव के बीच विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की मुश्किल बढ़ गई है। तिरुपुर जिला पुलिस ने उनके खिलाफ चुनाव प्रचार में एक बच्चे को कथित तौर पर शामिल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार को धारापुरम शहर में पेरियार की प्रतिमा के पास एक चुनावी सभा हुई थी। इसी सभा से जुड़ी शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। आरोप है कि बच्चे से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक तरीके से बात कराई गई। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है। फिलहाल पुलिस ने यह नहीं बताया है कि किस-किस कानूनी धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम, एक अरेस्ट

अमृतसर। त्यौहारों से पहले पंजाब की अमन शांति को खराब करने की पाकिस्तान व विदेश में बैठी ताकतों की कोशिश को अमृतसर रूरल पुलिस ने नाकाम कर दिया है। अमृतसर देहाती पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों की तस्करी के नेटवर्क को तोड़ दिया है। पुलिस टीम ने इस कार्रवाई में हथियारों की खेप के साथ तस्कर को भी अरेस्ट किया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार अमृतसर रूरल पुलिस ने एके-47 राइफल, उसकी मैगजीन, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस और दो खतरनाक हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। एके-47 और हैंड ग्रेनेड का मिलने से सुरक्षा एजेंसियां स्तर्क हो गई हैं। मामले की शुरुआती जांच में विदेशी ताकतों के लिंक सामने आए हैं।

खुफिया जानकारी लीक के आरोप में नेवी जवान गिरफ्तार

कोयंबटूर । आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली। काउंटर इंटेलिजेंस की स्पेशल टीम शनिवार सुबह आईएनएस अग्रणी पहुंची और प्रदीप को हिरासत में ले लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इसके बाद जांचकर्ताओं ने प्रदीप को स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया और ट्रांजिट वारंट हासिल किया। शाम को उसे आगे की पूछताछ के लिए विजयवाड़ा स्थित काउंटर इंटेलिजेंस मुख्यालय ले जाया गया।

कुछ ना कहना

एसआईआर विवाद...दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन

इंडिया गेट से जंतर-मंतर तक आप और कांग्रेस युवक कांग्रेस का मार्च,गर्जना मार्च में गरजे ठाकरे बंधु, सुप्रीम कोर्ट में आज चुनाव आयुक्त के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगा, 2006 में पीडब्ल्यूडी इंजीनियर की आत्महत्या मामले की फिर होगी विजिलेंस जांच, अपने ही जाल में फंसे ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/मुंबई/केरलम। एसआईआर निरस्त करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर विपक्ष का आक्रामक रूख थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को नई दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। उधर,सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उन विवादित एसआईआर फैसलों को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जो बाकी दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए थे। मामला सीजेआई सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच में लिस्ट किया गया है। याचिकाकर्ता 14 एसआईआर फैसलों को पलटने, ज्ञानेश कुमार पर मुकदमा चलाने और एसआईआर हटाने के मामले की एसआईटी जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े एक पुराने मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यानी ज्ञानेश कुमार अब अपने ही जाल में फंस गए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार भाजपा का हथियार हैं।

नागरिक मार्च निकाल मांगा इस्तीफा

एसआईआर प्रक्रिया के विरोध और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में नागरिक मार्च निकाला गया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के नेतृत्व में निकाला गया मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर जंतर-मंतर की ओर बढ़ा तो प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोकझोंक हई। मार्च में आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा समेत सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य शामिल थे।

आप नेता हिरासत में

वहीं दूसरी तरफ इंडिया गेट की ओर मार्च कर रहे आप कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। जनपथ मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 के पास जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्ते पर पुलिस ने बैरिकेड लगाकर आवाजाही रोक दी। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। इंडिया गेट की ओर मार्च कर रहे आप कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। दिल्ली आप के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस उनके साथ बदसलूकी कर रही है। उन्होंने कहा कि वे मुझे उठाकर इधर-उधर ऐसे फेंक रहे हैं, जैसे मैं कोई फुटबॉल हूं।

एसआईआर रद्द हो, बैलेट पेपर से हो चुनाव

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में चल रही एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। मुंबई में रविवार को गर्जना मार्च के मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र में कराई जा रही पूरी एसआईआर प्रक्रिया को रद्द किया जाए। राज ठाकरे का कहना है कि कानून के मुताबिक एसआईआर तभी कराया जाता है, जब किसी तरह की आपात स्थिति पैदा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख वोटर जोड़े गए और इसी के जरिए सत्ता पर कब्जा किया गया। अब एसआईआर के जरिए करीब दो करोड़ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये दो करोड़ वोटर कौन हैं? उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भाजपा का हथियार बताया। उन्होंने एसआईआर को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि इसका उद्देश्य मतदाता सूची से अवैध बांग्लादेशियों को हटाना है, तो सरकार बताए कि कितने अवैध बांग्लादेशी मिले। राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में एसआईआर रद्द करने और भविष्य में चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जांच का आदेश

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े एक पुराने मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, यह मामला 2006 का है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य के लोक निर्माण विभाग के सचिव थे। उन पर सरकारी कामों के ठेके देने में कथित अनियमितताओं के आरोप लगे थे। केरल के गृह मंत्री ने विजिलेंस निदेशक को पूरे मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। जांच में ज्ञानेश कुमार से जुड़े आरोपों के साथ बाहरी दबाव के आरोपों को भी देखा जाएगा। जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो, यह मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से भी जुड़ा है। उनके सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने की बात कही गई थी। उस समय ज्ञानेश कुमार पीडब्ल्यूडी सचिव के पद पर थे। शिकायत में ज्ञानेश कुमार पर सरकारी कामों के ठेके देने में अनियमितता का आरोप लगाया गया है।

कुत्ते ने मचाई सियासत से लेकर साहित्य तक हलचल

राजधानी भोपाल में एक स्पोक्सपर्सन के कुत्ते ने इन दिनों सियासत से लेकर साहित्य तक हलचल मचा रखी है। हुआ यूं कि एक बड़े साहित्यकार को कुत्ते ने काट लिया। बचने की कोशिश में उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई और अस्पताल पहुंचना पड़ा। हालचाल लेने पहुंचे प्रवक्ता को परिजनों ने देखते ही सुना दिया-काटने वाला कुत्ता आपका ही है। प्रवक्ता ने तत्काल पल्ला झाड़ा कि मेरा कुत्ता नहीं है। बात बढ़ी तो साहब ने उल्टा धमकी दे डाली कि मेरे खिलाफ कार्रवाई हुई तो एट्रोसिटी एक्ट लगवा दूंगा। अब मामला कुत्ते के काटने से निकलकर कानून तक पहुंच गया है। गलियारों में सवाल यही है कि कुत्ता किसका था, यह तो जांच का विषय है, लेकिन भौंकने का अंदाज देखकर मालिक की पहचान मुश्किल नहीं!

विजय की पार्टी टीवीके ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का किया एलान

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने आधिकारिक तौर पर इंडी गठबंधन में शामिल होने का एलान कर दिया है। शनिवार को चेन्नई स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई गठबंधन की बैठक में टीवीके के दो मंत्रियों ने हिस्सा लेकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। बता दें चेन्नई में हुई इस अहम बैठक में टीवीके के चुनाव प्रबंधन महासचिव और मंत्री आधार अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने इसे गठबंधन के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अभिनेता और नेता विजय के इस फैसले से पूरा गठबंधन और ज्यादा मजबूत होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में यह तय किया गया कि इंडी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदेश भर में जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन करेगा। गठबंधन दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने मनमाने और गैरकानूनी तरीके से काम किया है, जिसके कारण चुनावी सूची से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काट दिए गए। बता दें ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर 15 अक्टूबर को चेन्नई में होने वाले विरोध प्रदर्शन में टीवीके के अलावा कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीएम, आईयूएमएल, एमडीएमके और सीपीआई(एमएल) जैसी तमाम पार्टियां एक मंच पर नजर आएंगी। इस मामले में एमडीएमके नेता वाइको ने कहा कि शनिवार को बैठक में शामिल होना महज पहला कदम है। आने वाले समय में टीवीके इंडी गठबंधन की राष्ट्रीय बैठकों में भी हिस्सा लेगी।

नीट पेपर लीक-सीबीआई की दूसरी और अंतिम चार्जशीट जल्द एनटीए अधिकारियों को नहीं बनाएगी आरोपी

नई दिल्ली। नीट-जी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई एक सप्ताह के भीतर दूसरी और अंतिम चार्जशीट दाखिल कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एजेंसी की चार्जशीट में एनटीए या केंद्र सरकार के किसी अधिकारी को आरोपी नहीं बनाया जाएगा। मामले में एनटीए द्वारा नियुक्त विषय विशेषज्ञों, कोचिंग सेंटर संचालकों, बिचौलियों और परीक्षार्थियों को आरोपी बनाया जा सकता है। सीबीआई ने अब तक राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र से 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्हीं 13 आरोपियों को मामले का मुख्य आरोपी माना जा रहा है। सीबीआई ने 28 जुलाई को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। उस समय एजेंसी ने अन्य साजिशकर्ताओं की भूमिका की जांच जारी रखने की बात कही थी। एजेंसी को केंद्रीय फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी, सरकारी प्रशिनत दस्तावेज परीक्षक और दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की रिपोर्ट का इंतजार था। पहली चार्जशीट में सीबीआई ने बताया था कि एनटी ने नीट-यूजी 2026 का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया के कई चरणों में उन्हीं तीन

विषय विशेषज्ञों को दोबारा जिम्मेदारी दी थी।

13 आरोपियों के खाते और लॉकर फ्रीज

सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की धाराएं भी लगाई गई हैं। जांच के दौरान एजेंसी ने आरोपियों के बैंक खाते, बैंक लॉकर और एक डीमैट अकाउंट फ्रीज किए हैं।

पेपर लीक के बाद दोबारा हुई थी परीक्षा

नीट-यूजी 2026 की परीक्षा 3 मई 2026 को आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद सरकार और एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। इस पूरे विवाद के दौरान देशभर में 20 से अधिक छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आई थीं।

18.23 लाख रुपये के नकली और अधबने नोट बरामद, 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नकली नोट छापने और उनकी आपूर्ति करने वाले कथित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनसे जुड़े ठिकानों से 18.23 लाख रुपये के नकली तथा अधबने नोट बरामद किए हैं। इनमें 500 और 100 रुपये के नोट शामिल हैं। पुलिस ने नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मामले में पहली गिरफ्तारी एक अक्टूबर को जनकपुरी इलाके से हुई। यहां अंकित कुमार को पकड़ा गया, जिसके पास से 500 रुपये के 250 नकली नोट बरामद हुए। इनकी कुल कीमत 1.25 लाख रुपये बताई गई है। पूछताछ के दौरान अंकित ने कथित तौर पर बताया कि उसे ये नोट गगनदीप सिंह उर्फ मन्नी और कुलवंत सिंह उर्फ काके से मिले थे। इसके बाद पुलिस ने दो अक्टूबर को पटेल नगर के बलजीत नगर इलाके से गगनदीप और कुलवंत को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर एक किराये के कमरे की तलाशी ली गई, जहां से करीब 16.98 लाख रुपये के तैयार और अधबने नकली नोट बरामद हुए।

किराये के कमरे में चल रहा था काम

पुलिस ने कमरे के मालिक अमित को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि उसे कमरे में चल रही गतिविधियों की जानकारी थी और बाद में वह भी नकली नोट तैयार करने में शामिल हो गया। तलाशी के दौरान लैपटॉप, हार्ड डिस्क, कलर प्रिंटर, प्रिंटिंग मशीन, स्याही, वॉटरमार्क डाई, सिक्योरिटी थ्रेड और अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, गगनदीप को प्रिंटिंग और डाई-कटिंग का अनुभव था, जबकि कुलवंत को ग्राफिक डिजाइनिंग और फोटोशॉप की जानकारी थी। जांच में सामने आया है कि दोनों ने कथित तौर पर ऑनलाइन वीडियो और ट्यूटोरियल की मदद से नकली नोट तैयार करने का तरीका सीखा था।

सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह का नेटवर्क कितना बड़ा था, नकली नोट कहां-कहां भेजे जाते थे और इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या समूह तो सक्रिय नहीं था। मामले में जनकपुरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस बरामद नोटों और उपकरणों की जांच के साथ आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

प्रेमानंद महाराज को जान का खतरा, जेड प्लस सुरक्षा मांगी

मथुरा। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उन्हें जेड प्लस सुरक्षा देने की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष और याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी ने पत्र में महाराज की जान को खतरा बताते हुए आश्रम से जुड़ी गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। हालांकि, सुरक्षा संबंधी खतरे और पत्र में लगाए गए अन्य गंभीर आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दिनेश फलाहारी ने अपने पत्र में दावा किया है कि प्रेमानंद महाराज के शिष्यों के बीच दो गुट बन गए हैं। उनके अनुसार, एक गुट तपस्या और साधना से जुड़े संतों का है, जबकि दूसरे गुट पर संपत्ति संबंधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। पत्र में दावा किया गया है कि केली कुंज आश्रम में कथित प्रॉपर्टी डीलिंग से दुखी होकर प्रेमानंद महाराज अपने कुछ तपस्वी संतों के साथ यमुना किनारे स्थित बेलवन आश्रम चले गए हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग प्रेमानंद महाराज के नाम का इस्तेमाल कर आश्रम बना रहे हैं और यमुना खादर की जमीनों से जुड़ी कथित प्रॉपर्टी डीलिंग में शामिल हैं। फलाहारी ने संबंधित लोगों की संपत्तियों की जांच कराने और आश्रम के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की है, ताकि जरूरत पड़ने पर जांच में उनका उपयोग किया जा सके। पत्र में केली कुंज आश्रम से कुछ बच्चों के लापता होने की आशंका भी जताई गई है। दावा किया गया है कि आध्यात्मिक गतिविधियों के चलते कुछ बच्चे आश्रम में रुक जाते हैं और उनके परिजन उनकी तलाश करते हैं। इसके अलावा, पत्र में किडनी चोरी करने वाले गिरोह की संभावित संलिप्तता की आशंका का भी उल्लेख किया गया है। दिनेश फलाहारी ने इन सभी मामलों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। हालांकि, बच्चों के लापता होने, कथित प्रॉपर्टी डीलिंग और किडनी चोरी गिरोह से जुड़े आरोपों की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

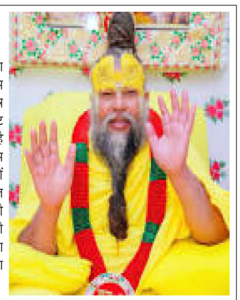

सचिन पायलट ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा- कांग्रेस प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और नशे की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। पायलट ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर आए दिन लोगों को धमका रहे हैं और गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नशे की समस्या को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, एक ओर भाजपा नशामुक्ति यात्रा निकाल रही है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाली नशीले पदार्थों की खेप रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। कांग्रेस नेता ने रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से सवाल किया कि पिछले 12 वर्षों में सीमा पर नशे की तस्करी के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई और कितने लोगों को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। पायलट ने दावा किया कि प्रभावी कदम उठाए गए होते तो पंजाब में नशे के हालात इतने खराब नहीं होते। राजस्थान के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पायलट ने अपने गृह राज्य में भी सूखे जैसे हालात पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि मानसून की कमी के कारण लोग संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए। उनके अनुसार, सरकार को स्थिति बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय पहले से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए थी। पायलट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरी' कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पहले नोटबंदी की और अब 'वोटबंदी' कर रही है। ये आरोप कांग्रेस नेता ने राजनीतिक बयानबाजी के दौरान लगाए हैं।

भाजपा ने बंगाल और उत्तराखंड से राज्यसभा उम्मीदवार किए घोषित

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने रविवार को राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड से अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी ने पश्चिम बंगाल से अभिनेत्री रुक्मिणी मल्लिक उर्फ कोयल मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को उम्मीदवार बनाया है। कोयल मल्लिक हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं। कोयल मल्लिक तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रह चुकी हैं। उन्होंने अप्रैल में राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली थी, लेकिन जुलाई में मानसून सत्र शुरू होने से पहले इस्तीफा दे दिया था। टीएमसी सांसद के तौर पर उन्होंने संसद के किसी सत्र में हिस्सा नहीं लिया था। कोयल बंगाली फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उत्तराखंड से उम्मीदवार बनाए गए दिनेश आर्य भाजपा के नैनीताल जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। उन्हें राज्य में राज्यमंत्री का दर्जा भी प्राप्त है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनके चयन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मतदान और मतगणना 16 अक्टूबर को

राज्यसभा की 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान और मतगणना होगी। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, जबकि उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें 242 भरी हुई हैं और तीन रिक्त हैं। भाजपा के पास फिलहाल 116 सांसद हैं।

किसानों की फसलों पर बीमारी की मार

मौसमी बीमारियो ने किसानों के माथे पर खींची चिंता की लकीरें, फसल में पोंगा,करपा, तना छेदक, ब्लास्टर और गंगाई सहित अन्य बीमारियों का दिख रहा प्रकोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पल-पल बदलते जा रहे हैं मौसम के चलते जहां एक ओर मानव स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है तो वही बदलते मौसम ने किसानों की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ा दी है।क्योंकि आए दिनों मौसम में बदलाव के साथ कभी बारिश,कभी धूप ,कभी छाव और तो कभी मौसम ढका होने के चलते मुख्यत: धान की फसल में बदरा रोग सहित अन्य बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया हैं। तो वही अब कीट पतंगे भी किसानों की फसलों को बर्बाद करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है।बताया जा रहा है कि यदि इस रोग की मात्रा बढ़ गई तो किसानों को भारी नुकसान होगा।उधर पल-पल बदलते मौसम के बीच कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।जिन्होंने अपनी धान की भूरा ,मऊ, और कीट पतंगों से सुरक्षा करने की सलाह दी है। तो वही मौसम वैज्ञानिकों द्वारा आगे भी मौसम में भारी बदलाव आने के संकेत दिए हैं। मतलब साफ है कि यदि मौसम वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सच साबित होती है और फिर से बारिश,मौसम में उतार चढ़ाव होता है तो किसानों के खेतों में लहलहाती फसल बर्बाद हो जाएगी। तो वही धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा बदरा महू सहित अन्य रोग भी काफी तेजी से फसलों में फैल जाएगा। जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा ।

किसानों के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें

अचानक बारिश व कड़ी धूप से धान की सेहत खराब हो रही है। धान बदराने लगी है। जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान होने की संभावना प्रबल बनी हुई है। ऐसे में किसानों के माथे में चिंता की लकीरें ला दी है।

रोग से उत्पादन होगा कम

किसानों ने बताया कि कुछेक किसानों ने खरीब सीजन में देरी से धान की रोपाई की थी। ऐसे में उन फसलों पर भी मौसम का असर पड़ रहा है।पल पल में बदलते तापमान से इसमें भी रोग बढ़ने की संभावना बनी हुई है।किसानों के अनुसार मौसम में खराबी के चलते धान में बदरा रोग लगता है। इस बीमारी में पौधों में धान तो लगता है लेकिन उसके अंदर दाना नहीं होता है। इस वर्ष यह रोग सभी किसानों के खेतों में देखने को मिल रहा है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम में लगातार इसी तरह बदलाव होते रहा तो खरीब सीजन में भी धान का उत्पादन काफी प्रभावित होगा। जिससे किसानों को नुकसान होने की संभावना बनी हुई है।

अब किट पतंगे पहुँचा रहे नुकसान

धान में लगे विभिन्न रोगो से परेशान किसान अब फसलों पर कीट व्याधी के प्रकोप से परेशान है। जानकारी के अनुसार पहले बारिश और अब कड़ी धूप निकलने से किसानों की फसलों पर कीट प्रकोप देखा जा रहा है। इस कारण एक बार फिर किसान चिंतिंत नजर आ रहे हैं। फसलों पर नए नए कीटों का प्रकोप देखने को मिल रहा है।जिससे फसले नष्ट हो रही है।

रात के समय फसल कर रहे चट

बताया गया कि यह कीट आम तौर पर रात में धान के खेतों को नुकसान पहुंचाता है। कीट पत्तियों के साथ-साथ बालियों को भी काटता है। यह कीट दिन के समय में खेत की मेढ़ों में छिप जाता है, जो शाम होते ही अंधेरे में फसलों को चट करना शुरू कर देता है। इस संबध में कृषि विशेषज्ञों ने खेतों का सर्वे करना शुरू कर दिया है। जिन क्षेत्रों से धान की फसल पर फौजी कीट की सूचनाएं मिल रही हैं। विशेषज्ञ मेढ़ों का निरीक्षण कर किसानों को दवा के छिडक़ाव की सलाह दे रहे। विभिन्न प्रकार की दवाईयां कृषि विशेषज्ञ किसानों को बता रहे है।जिसमे सर्व प्रथम मेंढो पर दवाईयों का छिड़काव करने की सलाह दी जा रही है।

इन बीमारियों का देखा जा रहा प्रकोप दवा भी बे-असर

धान की फसलों में लग रही विभिन्न बीमारियों ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं इन दिनों जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों द्वारा लगाई गई धान की फसल में पोंगा, करपा,तना छेदक, ब्लास्टर और गंगाई जैसी घातक बीमारियों का प्रकोप देखा जा रहा है जिससे किसानों की फसल खराब हो रही है वहीं किसानों को इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों के अनुसार उनके क्षेत्र में बीमारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है वहीं फसल में लगी बीमारियो के खात्मे के लिए किया जा रहा विभिन्न दवाइयों का छिड़काव भी बीमारी को कंट्रोल नहीं कर पा रहा है जिससे किसान काफी चिंतित हैं। किसान बताते हैं कि बीमारी पौधे के अंदर तने में है जिससे दवा का छिड़काव करने पर भी पौधे के अंदर के कीट नहीं मरते।दवा का छिड़काव करने पर भी इन बीमारियों से निजात नहीं मिल रही है जिसको लेकर किसान काफी परेशान है किसानों के समझ नहीं आ रहा है कि वह इस बीमारी से निजात पाने और अपनी फसलों को बचाने के लिए अब क्या उपाय करें।

सर्वे कर मुआवजा दिया जाना चाहिए- शिव बघेले

खेत मे काम कर रहे किसान शिव बघेले ने बताया कि इन दिनों किसानों के खेत में मऊ कीट, पतंगो सहित अन्य बीमारियों का प्रकोप देखा जा रहा है सिर्फ हमारे खेत में ही नहीं बल्कि सभी किसानों की फसल में बीमारी देखी जा रही है इस बीमारी को रोकने के लिए दवा का छिड़काव किया गया है लेकिन दवा का भी कोई असर नहीं हो रहा है। जिससे करीब 75 प्रतिशत धान उत्पादन में फर्क पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कड़ी धूप के चलते बीमारी बढ़ती जा रही है जब तक ठंड नहीं आएगी तब तक बीमारी बढ़ेगी, वहीं बीमारी के चलते फसले लगातार खराब हो रही है।किसान परेशान है लेकिन अब तक सरकार ने सर्वे भी शुरू नहीं किया है। हमारी मांग है की बीमारी से नष्ट हुई फसलों का सर्वे कर किसानों को मुआवजा देना चाहिए।

नवरात्र पर्व की तैयारियां शुरू, सज रहे माता रानी के दरबार

मंदिरों में हो रही आकर्षक साज-सज्जा,सार्वजनिक समितियां तैयार कर रही पंडाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शक्ति की भक्ति का पर्व शारदेय नवरात्र इस वर्ष 11 अक्टूम्बर से मनाया जाएगा।जहा 9 दिनों तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।जिसको लेकर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में तैयारियां शुरू कर दी गई है।नवरात्र पर्व को लेकर मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की जा रही है। वहीं सार्वजनिक समितियां प्रतिमा स्थापना को लेकर पंडालों को तैयार कर रहीं है। इधर, मूर्तिकार भी मां दुर्गा की प्रतिमा को अंतिम स्वरुप देने में जुटे हुए है। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना व मातारानी की प्रतिमा स्थापित कर मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की जाएगी। मान्यता है कि मां दुर्गा में ब्रह्मांड की समस्त शक्तियां समाहित है। नवरात्रि में माता दुर्गा की उपासना करने से हर संकट का नाश होता है। 9 ग्रहों की अशुभता दूर होती है। जीवन सुखमय बनता है।जिसके महत्व को देखते हुए पर्व विशेष की तैयारियां शुरू है जो अपने अंतिम चरण में है।अब हर किसी को नवरात्रि पर्व शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है।

अंतिम दौर में चल रहीं तैयारियां

पर्व को लेकर शहर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में तैयारियां अंतिम दौर पर है। माता मंदिरों में रंग रोगन कर आर्कषक साज सज्जा की जा रही है। देवी मंदिरों में जवारा व घट स्थापना को लेकर तैयारी की जा चुकी है।शहर के प्रमुख माता मंदिरों में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी मनोकामना ज्योति कलश स्थापित व प्रज्जवलित किए जाएंगे। शहर के प्रमुख मां कालीपाट मंदिर में इस वर्ष करीब 500 से अधिक ज्योति कलशों की स्थापना की जाएगी। कलश स्थापना के लिए एक कमरे में व्यापक व्यवस्था की जा रही है।

जगह जगह होगे धार्मिक अनुष्ठान

इसी तरह जयस्तंभ चौक समीप स्थित मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में इस वर्ष शारदीय नवरात्रि भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि शुभ मुहुर्त पर अखंड ज्योति कलश की स्थापना की जाएगी। पंचमी व अष्ठमी के दिन महाआरती व प्रसाद वितरण किया जाएगा। नवमीं को यज्ञ व हवन होगा। वही हनुमान चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी विशेष तैयारी की जा रही है। मंदिर को आकर्षक साज-सज्जा से सजाया जा रहा है। इस मंदिर में भी अष्टमी को महाआरती व नवमें दिन ज्योतिकलश विसर्जन किए जाएंगे।

हाथी पर सवार होकर आएगी माँ दुर्गा

बताया गया कि घट स्थापना नवरात्र का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, जो दुर्गा पूजा का शुभारंभ करता है।इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी, जो ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए इस बार की पूजा धन और ज्ञान दोनों की प्राप्ति कराएगी।धर्म विद्वानों ने बताया कि पंडालों में प्रतिमा स्थापना से सबसे पहले चौकी को गंगाजल से छिडक़ कर शुद्ध कर लें। चौकी पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करें। मां दुर्गा के समक्ष धूप, दीप और शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें।मां को भोग लगाएं और उनकी आरती उतारें। इसके बाद दुर्गा चालीसा या सप्तशती का पाठ करें। नवरात्र का प्रारंभ 11 अक्टूबर को होगा और मां दुर्गा हाथी पर विराजमान होंगी, जो अत्यंत शुभ माना जाता है

विजयदशमी तक चलेगा पर्व

हिंदू धर्मावलंबियों के प्रमुख पर्वो में से एक शारदीय नवरात्र का पर्व 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।इस पर्व विशेष पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा 9 दिनों तक माता रानी के 9 रूपो की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। शक्ति की भक्ति के इस महापर्व शारदीय नवरात्र में जहां विभिन्न माता मंदिरो में अखंड ज्योति कलश, ज्वारे स्थापना, महाआरती, हवन-पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन किए जाएंगे ,तो वही इस विशेष पर्व पर घर-घर ज्योति कलश, ज्वारे स्थापित कर माता रानी की विशेष आराधना की जाएगी। नवरात्रि पर्व पर माता के भक्तों द्वारा 9 दिनों तक उपवास कर माता रानी के 9 विभिन्न रूपों की पूजा अर्चना कर विभिन्न अनुष्ठान किए जाएंगे।जहा पर्व समापन पर विजयदशमी से जिले भर में माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर शुरू हो जाएगा।जो आगामी 3 दिनों तक जारी रहेगा।

शक्ति की प्रतीक है माँ दुर्गा

आपको बताए कि नवरात्रि पर्व का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस दौरान पूरे नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में मां दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि नवरात्रि में विधि पूवर्क पूजा करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और कष्ट, रोग, शत्रु से मुक्ति मिलती है।जिसकी शुरुवात 11 अक्टूबर से होगी।इस दिन माता के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की जाएगी।

जगमगाये चौराहे और मार्ग

नौ दिनों तक चलने वाले इस महा-नवरात्रि पर्व के आरंभ के कुछ दिनों पहले से ही भक्तों द्वारा माता के दरबारों, पंडालो का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिनके द्वारा पंडालों को आकर्षक रूप दिया जा रहा है।उधर नवरात्रि के पर्व को लेकर एक ओर जहां माता की स्थापना के लिये विशालकाय दरबार बनाये जा रहे है। वहीं विभिन्न चौक चौराहो और मार्गो को रंग बिरंगी लाईटो से सुसज्जित कर जगमगाया जा रहा है जो अब निरंतर नौ दस दिनों तक देखने को मिलेगी।

घरो में बोये जायेंगे जवाले

एक ओर जहां विभिन्न चौक चौराहो पर मां की प्रतिमा स्थापित की जायेगी वहीं माता के उपासकों द्वारा विभिन्न घरो में विधि विधान के साथ जवाले बोये जायेंगे। वहीं कलश स्थापना कर नौ दिनों तक भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की जायेगी।

प्रतिमा को दिया जा रहा अंतिम रूप

नवदुर्गा महा पर्व के लिये मुर्तिकारो द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है, जिनको चित्रकारो और मूर्तिकारो द्वारा अंतिम स्वरूप दिया जा रहा है।जिन्हें स्थापना के लिये पूरी तरह तैयार करने का काम जोरो पर है।

चक्रवाती तूफान नोलो -241 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है हवा

नई दिल्ली। प्रशांत महासागर में सक्रिय चक्रवाती तूफान नोलो को लेकर मौसम एजेंसियां लगातार अपनी निगरानी बढ़ा रही हैं। तूफान की दिशा और उसकी तीव्रता में होने वाले संभावित बदलावों पर विशेषज्ञ बारीकी से नजर रखे हुए हैं। शुरुआती पूर्वानुमानों के अनुसार, यह तूफान अपनी चरम अवस्था में लगभग 241 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं पैदा कर सकता है। तूफान की तीव्रता बढ़ने पर इससे व्यापक नुकसान की आशंका होती है। तेज हवाएं तटीय क्षेत्रों में स्थित कमजोर ढांचों, बिजली के खंभों, संचार टावरों और पेड़ों को गंभीर क्षति पहुंचा सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप बिजली और संचार सेवाएं लंबे समय तक बाधित रह सकती हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में सड़क और परिवहन व्यवस्था भी ठप हो सकती है, जिससे राहत कार्यों में बाधा आ सकती है। चक्रवाती तूफानों से जुड़ा एक बड़ा और खतरनाक पहलू स्टॉर्म सर्ज होता है। इसमें तेज हवाओं और वायुमंडलीय दबाव में भारी कमी के कारण समुद्र का पानी सामान्य स्तर से काफी ऊपर उठकर तटीय इलाकों की ओर तेजी से बढ़ता है। इससे निचले तटीय क्षेत्रों में भयंकर बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाता है, जो जान-माल का बड़ा नुकसान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, तूफान के साथ होने वाली भारी बारिश अचानक आने वाली बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन जैसी स्थितियों को जन्म दे सकती है, जिससे स्थिति और भी विकट हो सकती है। हालांकि, वर्तमान में यह कहना जल्दबाजी होगी कि नोलो किन आबादी वाले क्षेत्रों को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। चक्रवाती तूफानों के रास्ते में अक्सर बदलाव होता रहता है, और समुद्र के ऊपर उसकी ताकत भी पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुसार बढ़ या घट सकती है। इसलिए, संभावित नुकसान का सटीक आकलन उसके लैंडफॉल की स्थिति और अंतिम तीव्रता स्पष्ट होने के बाद ही किया जा सकेगा। मौसम विशेषज्ञों के लिए अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि इस दौरान तूफान की गति, दिशा, समुद्र की स्थिति और वायुमंडलीय दबाव में होने वाले बदलावों पर लगातार नजर रखी जा रही है। संभावित प्रभावित तटीय क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए समय रहते चेतावनी जारी करना और बचाव कार्यों की तैयारी करना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल, नोलो से जुड़े पूर्वानुमानों में निरंतर बदलाव की संभावना बनी हुई है, और इसके मार्ग को लेकर नवीनतम आधिकारिक चेतावनियों पर लगातार ध्यान देना आवश्यक है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शशि ठाकरे SHASHI THAKRE पति नायक आर्मी नंबर 15775675A स्व0 संतोष ठाकरे ग्राम नगपुरा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म0प्र0 पिन कोड 481441 की निवासी हूं। मेरे दस्तावेज आधार कार्ड, अंकसूची, पेनकार्ड, वोटर आईडी कार्ड सहित समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम SHASHI THAKRE दर्ज है वह सही है। किन्तु मेरे पति नायक आर्मी नंबर 15775675A स्व0 संतोष ठाकरे के आर्मी रिकॉर्ड में मेरा नाम SASHI THAKRE नाम दर्ज है, जो कि गलत है। मेरा सही नाम SHASHI THAKRE है, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें एवं आर्मी दस्तावेज में यही नाम दर्ज किया जावे।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
श्रीमती शशि ठाकरे SHASHI THAKRE पति नायक आर्मी नंबर 15775675A स्व0 नायक संतोष ठाकरे
निवासी ग्राम नगपुरा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म0प्र0

म.प्र. ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन 6 को

पदमेश न्यूज। किरनापुर। म.प्र.ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ पंजीयन क्रमांक 10893 की जिला कार्यकारिणी के पुनर्गठन की प्रक्रिया निवर्तमान जिलाध्यक्षा सालिकराम मेश्राम की अध्यक्षता में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बालाघाट के पुराने सभा कक्ष में 06 अक्टूबर 2026 ,दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर जिले के समस्त ग्राम रक्षक, कोटवार, चौकीदार साथियों से अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आव्हान संगठन पदाधिकारियों द्वारा किया गया है।

टारगेट, वर्कलोड और सीनियर के दबाव से टूट रहा कर्मचारियों का हौंसला 10 साल में 500 बैंककर्मियों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में काम का बढ़ता दबाव अब सिर्फ कर्मचारियों की परेशानी का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य और कार्यस्थल के माहौल को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। इंडियन बैंक के हेड ऑफिस में आईटी डिवीजन के चीफ मैनेजर कनिष्क बाजपेयी की शनिवार शाम चौथी मंजिल से कूदकर मौत के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि बैंक कर्मचारियों पर बढ़ता काम का दबाव किस हद तक पहुंच चुका है। यह बैंकिंग सेक्टर से जुड़ा कोई पहला ऐसा मामला नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बैंक कर्मचारियों की आत्महत्या के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें वर्क प्रेशर, टारगेट, वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, उत्पीडऩ और नौकरी से जुड़ी दूसरी परेशानियों का जिक्र हुआ है।

फरवरी 2026 में राज्यसभा में सीपीआई(एम) सांसद एए रहीम ने दावा किया था कि पिछले एक दशक में देशभर में करीब 500 बैंक कर्मचारी वर्क रिलेटेड स्ट्रेस, उत्पीडऩ और वर्कप्लेस इश्यूज के कारण आत्महत्या कर चुके हैं। हालांकि यह आंकड़ा सरकार का आधिकारिक ऑल इंडिया डेटाबेस नहीं है, बल्कि संसद में रखा गया दावा है। उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड में बैंक कर्मचारियों की आत्महत्याओं का ऐसा साल-दर-साल, बैंकवार और कारणवार समेकित डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। यही इस पूरे मुद्दे की सबसे बड़ी चुनौती भी है-मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन समस्या की पूरी तस्वीर आंकड़ों में साफ दिखाई नहीं देती।

किन वजहों से बढ़ रहा दबाव?

बैंक कर्मचारियों से जुड़े अलग-अलग मामलों को देखें तो दबाव के कई स्तर सामने आते हैं। पहला है टारगेट प्रेशर। बैंकिंग में लोन डिस्बर्समेंट, रिकवरी, डिपॉजिट, इंश्योरेंस, क्रेडिट कार्ड और दूसरे बिजनेस टारगेट पूरे करने का दबाव लगातार बढ़ा है। कर्मचारियों पर सिर्फ काम पूरा करने की नहीं, बल्कि निर्धारित लक्ष्य हासिल करने की जिम्मेदारी रहती है। दूसरा है वर्कलोड। कर्मचारियों की संख्या कम होने पर एक कर्मचारी को कई लोगों का काम संभालना पड़ता है। लंबे समय तक काम करने और छुट्टी के बाद भी काम से जुड़े रहने की शिकायतें इसी दबाव को बढ़ाती हैं। तीसरा है वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव। कुछ मामलों में कर्मचारियों या उनके परिवारों की ओर से अपमान, धमकी, उत्पीडऩ या अनुचित दबाव के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि हर आत्महत्या को केवल कार्यस्थल के दबाव से जोडऩा सही नहीं होगा। व्यक्तिगत, पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी कारण भी ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। चौथा है नौकरी की असुरक्षा। निजी बैंकिंग और कुछ वित्तीय संस्थानों में प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन, लक्ष्य और नौकरी को लेकर चिंता कर्मचारियों के तनाव को बढ़ा सकती है।

स्टाफ कम, काम लगातार बढ़ा

बैंक कर्मचारियों के संगठनों की ओर से लंबे समय से स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाया जाता रहा है। राज्यसभा में रहीम ने लोकसभा में दिए आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया था कि जून 2025 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में करीब 32,547 पद खाली थे। इसका सीधा असर शाखाओं और मौजूदा कर्मचारियों पर पड़ता है। बैंकिंग कारोबार बढने के साथ यदि कर्मचारियों की संख्या उसी अनुपात में नहीं बढ़ती, तो अतिरिक्त काम मौजूदा स्टाफ पर आता है। यही वजह है कि बैंक यूनियनें स्टाफ की कमी को बढ़ते वर्कलोड और टारगेट प्रेशर से जोड़ती रही हैं।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जनसेवा का सेतु बनी नपा, एक छत के नीचे मिला योजनाओं का लाभ

सेवा सेतु शिविर में उमड़े नागरिक, विभिन्न विभागों ने सुनीं समस्याएं; हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक आसानी से पहुंचाने और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा 4 अक्टूबर को नगरपालिका परिसर में वृहद सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवाकाल के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 2 से 10 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्राप्त किए गए तथा जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही समाधान किया गया। इससे एक ही परिसर में कई सरकारी सेवाएं मिलने से नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओबीसी कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन मौजूद रहीं। भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर और कलेक्टर कुमार सत्यम ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। अतिथियों ने पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ एवं स्वीकृत ऋण के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। इस दौरान हितग्राहियों से सीधा संवाद कर योजनाओं से मिले लाभ और उनके अनुभव भी जाने गए। मौसम बिसेन ने कहा कि जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक बिना परेशानी के पहुंचे। सेवा सेतु अभियान नागरिकों और सरकारी सेवाओं के बीच की दूरी कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि नगरवासियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से यह वृहद शिविर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आवास, स्वरोजगार, पेंशन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य योजनाओं से पात्र परिवारों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में ऐसे आवेदन भी आए जिनका तत्काल निराकरण संभव नहीं था। इन प्रकरणों को संबंधित विभागों के माध्यम से आगे निराकरण के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करना नगरपालिका की प्राथमिकता है और इस तरह की सुविधाएं आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। शिविर में श्रम विभाग ने श्रमिक पंजीयन और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने एमएसएमई पंजीयन और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्वरोजगार एवं ऋण संबंधी मार्गदर्शन दिया। विद्युत विभाग ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर की जानकारी दी। जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने फील्ड टेस्ट किट से पेयजल की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया बताई। नगरपालिका की जलप्रदाय शाखा में कम दबाव और पर्याप्त पानी नहीं मिलने संबंधी शिकायतें दर्ज की गईं। जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीयन, राजस्व, जाति प्रमाणपत्र, मतदाता पहचानपत्र, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, समग्र आईडी, संबल कार्ड और अन्य सेवाओं से जुड़े आवेदन भी लिए गए। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पीजी कॉलेज एवं कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय के स्टॉल पर गांव की बेटी योजना की जानकारी देकर पात्र छात्राओं के आवेदन लिए गए। जिला सहकारी बैंक ने धान उपार्जन पंजीयन और सहकारी समिति की सदस्यता के लिए पंजीयन किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और अटल पेंशन योजना की सेवाएं भी उपलब्ध रहीं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षण की जानकारी दी। वहीं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को स्वीकृत ऋण के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। हितग्राहियों ने बताया कि योजना के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता से छोटे कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। कलेक्टर कुमार सत्यम ने नगर पालिका अध्यक्ष के साथ शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉल पर पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं, प्राप्त आवेदनों और उनके निराकरण की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने डे-एनयूएलएम से जुड़े रानी दुर्गावती, विशाखा और गढ़वाल आजीविका महिला समूहों के स्टॉल पर पहुंचकर उनके खाद्य उत्पाद, हैंडवॉश सहित अन्य सामग्री खरीदी और महिलाओं के प्रयासों को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए मार्ट विकसित करने पर जोर दिया, ताकि समूहों को नियमित बाजार के साथ आय का बेहतर अवसर मिल सके। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति वकील वाधवा, समीर जायसवाल, कमलेश पांचे, उज्ज्वल आमाडारे, संगीता खगेश कावरे, योगिता विनय बोपचे, संगीता थापा, मनीष नेमा, गजेंद्र भारद्वाज, विशाल मंगलानी, यशवंत लिव्हारे, कल्पना मर्सकोले, जया शुक्ला, एसडीएम गोपाल सोनी, जैनेंद्र कटरे, संजू वराड़े, सीएमओ सूर्यप्रकाश उके सहित पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, हितग्राही और नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन एवं सभापति योगिता विनय बोपचे ने अतिथियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, महिला स्व-सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

हॉकी की जीत पर बालाघाट में जश्न, विजय वर्मा का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एशियन खेल 2026 में भारतीय हॉकी की महिला और पुरुष टीमों द्वारा स्वर्ण पदक हासिल किए जाने की खुशी रविवार को बालाघाट के शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ मैदान में भी दिखाई दी। भारतीय महिला टीम ने चीन को शिकस्त देकर 42 साल बाद एशियन खेलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि पुरुष टीम ने मलेशिया को 5-1 गोल से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। देश को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि पर नेहरू स्पोर्टिंग क्लब एवं हॉकी बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में टर्फ मैदान पर जश्न मनाया गया। क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में भारतीय हॉकी की जीत का उत्साह खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों के बीच साफ नजर आया। इसी अवसर पर हॉकी मध्यप्रदेश के चुनाव में बालाघाट हॉकी के आधार स्तंभ विजय वर्मा को पुन: वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने जाने पर उनका फूल-मालाओं से भव्य अभिनंदन किया गया। मैदान पर मौजूद हॉकी खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों ने विजय वर्मा का स्वागत करते हुए इसे बालाघाट के लिए भी गौरव का क्षण बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा ने किया।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी एवं नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम की एक साथ स्वर्णिम सफलता देश के लिए गौरव की बात है। एशियन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से देशभर में खेलों को लेकर नया उत्साह पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां मैदान में पसीना बहा रहे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती हैं और बालाघाट के खिलाड़ियों में भी हॉकी के प्रति रुचि तथा आगे बढ़ने का जज्बा मजबूत होगा। वक्ताओं ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और निरंतर प्रतियोगिताओं का आयोजन जरूरी है। बालाघाट में हॉकी को लेकर लंबे समय से चल रहे प्रयासों का ही परिणाम है कि यहां के खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम की सफलता से जिले में हॉकी का माहौल और मजबूत होगा तथा नई पीढ़ी के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखेंगे। हॉकी मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विजय वर्मा के पुनर्निर्वाचन को भी बालाघाट के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। खेलप्रेमियों ने कहा कि बालाघाट में हॉकी के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच दिलाने में विजय वर्मा की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उनके अनुभव और सक्रियता का लाभ जिले की हॉकी प्रतिभाओं को आगे भी मिलता रहेगा।

भरवेली दुर्गा मेले में बैठक व्यवस्था पर सवाल

सामाजिक कार्यकर्ता व व्यापारियों ने जताई आपत्ति कहा- बैठने की जगह भी बनी कमाई का जरिया ?, भरवेली के दुर्गा चौक में बैठक व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। भरवेली स्थित दुर्गा चौक मैदान में मॉयल लिमिटेड द्वारा आयोजित किए जाने वाले सार्वजनिक दुर्गा उत्सव नवरात्रि मेले में इस बार दुकान आवंटन के बाद अब आम लोगों की बैठक व्यवस्था को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण माता के दर्शन, मेला घूमने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने पहुंचते हैं। ऐसे में बैठने के लिए बनाई जाने वाली व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी सामने आ रही है।बताया जा रहा है कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मेले में दुकान लगाने के लिए खुली बोली कराई गई है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं और व्यापारियों का आरोप है कि पिछले वर्ष से मेले में आम लोगों के लिए बनाई जाने वाली बैठक व्यवस्था में कमी की जा रही है। जिस स्थान पर लोग बैठकर कार्यक्रम देखते थे, ठीक उसी के सामने की जगह मेले के लिए किराए पर दी जा रही है।इससे दर्शको को परेशानी होंगी।उन्होंने इस आयोजन में बैठक व्यवस्था को भी कमाई का जरिया बनाए जाने की बात कही है।

पर्याप्त बैठक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए

सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने मॉयल लिमिटेड प्रशासन से मांग की है कि मेले में आने वाले आम लोगों के लिए पूर्व की तरह पर्याप्त बैठक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मेले में दुकानों के लिए जगह अधिक कीमत पर आवंटित की जा रही है और सार्वजनिक दुर्गा उत्सव की व्यवस्थाओं को लेकर पारदर्शिता भी जरूरी है।उन्होंने बताया कि सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के नाम पर मजदूरों के वेतन से राशि काटे जाने और ठेकेदारों से चंदा लिए जाने की बात सामने आती रही है। इसके अलावा दुकानदारों से दुकान लगाने के लिए राशि ली जाती है। ऐसे में उत्सव के लिए एकत्रित होने वाली राशि और उसके खर्च का हिसाब-किताब सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

आय-व्यय का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि यदि सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के नाम पर विभिन्न माध्यमों से राशि एकत्रित की जा रही है तो उसके आय-व्यय का ब्यौरा सार्वजनिक होना चाहिए, ताकि लोगों के बीच किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति न बने।उनका कहना है कि मेला केवल व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भी है।

मॉयल प्रबंधन ने कहा- बैठकर करेंगे चर्चा

बैठक व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर उठ रहे सवालों पर मॉयल प्रबंधन की ओर से फिलहाल विस्तृत जवाब सामने नहीं आया है। हालांकि जगह नीलामी के दौरान प्रबंधन ने लोगों की बैठक व्यवस्था सहित मेले में अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था किए जाने की बात कही है। वहीं इस पूरे मामले को लेकर प्रबंधन और आपत्ति जताने वाले लोगों के बीच चर्चा के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

विशाल मेगा सेवा सेतु शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर परिषद बैहर, जिला - बालाघाट (म.प्र.) द्वारा सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार के तहत दिनांक 04 अक्टूबर 2026 को सामुदायिक भवन मॉयल एसडीएम कार्यालय बैहर के सामने प्रांगण में विशाल मेगा सेवा सेतु शिविर का सफल आयोजन किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर आयुष्मान भारत, पीएम स्वनिधि, लाड़ली लक्ष्मी, उज्ज्वला, पीएम विश्वकर्मा, ई-श्रम, पेंशन योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), स्वास्थ्य जांच एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ व समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा क्षेत्र के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शासन की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई है।उक्त अभियान में कुल 185 आवेदन RCMS पोर्टल पर पंजीकृत किया गया। उक्त शिविर में श्रीमति यशवंती गुड्डा मरकाम अध्यक्ष, नगर परिषद बैहर, अनिकेत शांडिल्य (IAS) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर, श्रीमती सुरपति यादव एवं श्रीमती हमीदा बेगम पार्षद, अनुराग मरावी तहसीलदार बैहर, हितेश हालमारे सीएमओ नगर परिषद बैहर, बी एस मरावी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैहर, नगर परिषद, उपयंत्री श्रीमती वंदना मरकाम गजेंद्र मेरावी योजना प्रभारी बैसाखू मेरावी लेखापाल अंबिका प्रसाद त्रिपाठी राजस्व निरीक्षक बैहर के समस्त कर्मचारी समस्त विभागों के अधिकारी/कर्मचारीयों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में अधिकांश लोगों की समस्या का समाधान हुआ जिससे लोगों में भारी खुशी और उत्साह देखा गया।

संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में वारासिवनी महाविद्यालय के दो छात्रों का चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा जारी खेल कैलेंडर २०२६-२७ के अंतर्गत संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय विज्ञान महाविद्यालय पांढुर्णा छिंदवाड़ा के द्वारा ५ अक्टूबर २०२६ से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के दो प्रतिभावान छात्रों का चयन हुआ है। छात्रों के चयन से महाविद्यालय में हर्ष का माहौल है। संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए महाविद्यालय के एमएससी द्वितीय वर्ष के छात्र मासूम पिता धनराज नागदेवे तथा एम ए प्रथम वर्ष के छात्र मुकुलदेव पिता संतोष पन्द्रे का चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर संभाग स्तर की प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया है। जानकारी के अनुसार जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन मलाजखंड में किया गया था जिसमें शासकीय एसएसपी महाविद्यालय की पुरुष शतरंज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त किया था। टीम के खिलाडियों के प्रदर्शन और खेल कौशल को देखते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए मासूम नागदेवे एवं मुकुल देव पन्द्रे का चयन किया गया है। दोनों छात्र अब संभाग स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। महाविद्यालय परिवार को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे। छात्रों के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य एस एस गेड़ाम ,क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू शहीद महाविद्यालय के प्राध्यापक अधिकारी कर्मचारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की हैं।

करोड़ों की लागत से नहर का हुआ सीमेंट्रीकरण कार्य, फिर भी पानी को तरस रहे किसान

समस्या का समाधान नहीं होने पर खमरिया के किसानों ने प्रशासन को दी चक्काजाम की चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित खमरिया में किसानों को सर्राटी जलाशय माइनर नहर के लाइनिंग व सीमेंट्रीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है जिससे किसानों की फसल प्रभावित हो रही है। वहीं किसानों में शासन प्रशासन के प्रति पानी की समस्या को लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। किसानों का कहना है कि विगत वर्ष पूर्व सिंचाई विभाग के द्वारा करोड़ो रूपये की लागत से सर्राटी जलाशय से निकली इस खमरिया माइनर नहर का सीमेंट्रीकरण व लाइनिंग का कार्य किसानों के खेतों तक आसानी से पानी पहुंचाने व नहर को व्यवस्थित कर सुदृढ बनाने के लिए किया गया था परंतु नहर का सीमेंट्रीकरण व लाइनिंग कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के कारण यह लाइनिंग व सीमेंट्रीकरण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। जगह-जगह से सीमेन्ट्रीकरण नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वहीं नहर के अंदर में झाड़िया एवं कचरे होने के कारण खमरिया क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पा रहा है और विगत दिवस से नहर में पानी छोडने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जिसका मुख्य कारण है कि नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के चलते नहर के लाइनिंग और सीमेंटीकरण कार्य पर करोड़ों रूपये खर्च किये जाने के बावजूद किसानों को सिंचाई के लिए पानी नसीब नहीं हो रहा है। जल्द फसल में सिंचाई के लिए पानी नही मिलेगा तो फसल खराब

हो सकती है, जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। वहीं आक्रोशित किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नहर में पानी नहीं छोड़ा गया, तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे।

प्रशासन की उदासीनता के प्रति किसानों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि करोड़ों रूपयों की लागत से सर्राटी जलाशय खमरिया माइनर नहर का लाइनिंग और सीमेन्टीकरण का कार्य किया गया है और इस नहर के माध्यम से दर्जन ग्रामों के किसानों के खेतों में लगी फसल में सिंचाई होती है। लेकिन यह निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ सालों में ही सीमेन्टीकरण नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, साथ ही झाड़ियों की साफ-सफाई भी जल संसाधन विभाग के द्वारा नही करवाया जा रहा है। वहीं वर्तमान में किसानों के खेतों में लगी हल्की प्रजाति की फसल पकने के कगार में है एवं भारी प्रजाति की धान गर्भ में है, जिनमें पानी की अति आवश्यकता है। लेकिन नहर में पानी नही छोड़ा गया है, जिसके कारण उनकी फसल प्रभावित हो रही है। जब किसान जल संसाधन विभाग से खमरिया माइनर नहर में सर्राटी जलाशय का पानी छोड़ने की मांग कर रहे है तो जिम्मेदारों का कहना है कि नहर कुछ स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुकी है इसलिए पानी नही छोड़ा जा रहा है। जबकि प्रशासन को बरसात के पूर्व ही क्षतिग्रस्त स्थानों का मरम्मत कार्य एवं साफ-सफाई करवा देना था, लेकिन उन्होने ऐसा नही किया। अब फसल में किसानों को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता पडने पर नहर का पानी नही मिलने से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं किसानों का कहना है कि जब नहर मिट्टी का बना हुआ था उस समय आसानी से खेतों तक पानी पहुंच जाता था, लेकिन सीमेन्टीकरण कार्य होने के बाद पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है जिसका मुख्य कारण है कि सीमेन्टीकरण माइनर नहर का गुणवत्तापूर्ण कार्य नही किया गया है। जल्द किसानों की समस्या का समाधान नही किया गया तो क्षेत्रीय किसान आंदोलन करने बाध्य होगें।

गुणवत्ताहीन निर्माण होने से बन रही है

समस्या - संतोष

किसान संतोष चौधरी ने बताया कि 33 करोड़ रूपये खर्च करके नहर का सीमेंटीकरण करवाया गया था, लेकिन ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की सांठगांठ के कारण काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हुआ, जिसकी वजह से यह समस्या निर्मित हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि जब यह नहर क'ची थी, तब किसानों के खेतों तक आसानी से पानी पहुंच जाता था, लेकिन जब से शासन प्रशासन के द्वारा करोड़ों रूपये की लागत से नहर का लाइनिंग व सीमेंट्रीकरण कार्य करवाया गया है, तब से किसान पानी के लिए परेशान हो रहे है, अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं। श्री चौधरी ने बताया कि इस तरह से सीमेन्टीकरण नहर का कार्य गुणवत्ताहीन किया गया है और आगे वाटर कोस का निर्माण कार्य भी अटका पड़ा है, जिससे लगभग 200 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई प्रभावित हो रही है।

किसानों की समस्या का समाधान नही होने पर करेगें आंदोलन - गुलाब

गुलाब पटले ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से किसान लगातार सिंचाई विभाग के अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं कि खमरिया माइनर नहर में पानी छोड़े सिंचाई के लिए। लेकिन किसानों की कोई सुनवाई नही हो रही है और कहते है कि नहर जगह-जगह से कमजोर हो चुकी है इसलिए पानी नही छोड़ा जा रहा है। जबकि निर्माण हुए करीब 2 वर्ष ही हुए है और करोड़ों रूपयों की लागत से बनी सीमेन्टीकरण नहर क्षतिग्रस्त होने लगी है। श्री पटले ने बताया कि 33 करोड़ रूपये की लागत से नहर का लाइनिंग व सीमेंट्रीकरण कर नवीन निर्माण कार्य कराया है, उसके बावजूद फिर यह नहर आखिर बार-बार क्यों टूट रही है। यह सीधे तौर पर निर्माण कार्य में लापरवाही और प्रशासनिक चूक को दर्शाता है। जबकि सर्राटी जलाशय तालाब में पानी लबालब भरा हुआ है, लेकिन सही वितरण न होने से हमारी फसलें सूख रही हैं। इस समस्या से स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विधायक महोदय को भी अवगत करवा दिये है, लेकिन कोई सुध लेने नहीं आये है। जल्द ही किसानों की समस्या का समाधान नही किया गया तो आंदोलन किया जायेगा।

राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का हुआ आयोजन

3 परीक्षा केन्द्र में 929 विद्यार्थियों ने हल किया पर्चा, 11 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 4 अक्टूबर को संपन्न हुई। लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 3 परीक्षा केन्द्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि. अमोली, वैदिक कांवेट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल लालबर्रा में 4 अक्टूबर को राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में 929 विद्यार्थियों ने प्रात: 10.45 से दोपहर 2 बजे तक शांतिपूर्वक तरीके से पर्चा हल किये एवं 11 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। साथ ही किसी भी परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय को राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का केन्द्र बनाया गया था और इस परीक्षा केन्द्र में प्रात: 10.45 बजे से विकासखण्ड से पहुंचे कक्षा 8 वीं के पंजीकृत 415 में से 407 विद्यार्थी उपस्थित रहे एवं 8 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह अन्य दो परीक्षा केन्द्र में 3 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल पंजीकृत 940 में से 929 विद्यार्थी शामिल हुए एवं 11 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद कक्षा 9 वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने पर उन्हे कक्षा 12 वीं तक पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12-12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

आपकों बता दे कि प्रतिवर्ष शासन के द्वारा राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसी निर्देश के परिपालन में 4 अक्टूबर को भी राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित स्कूलों के कक्षा 8 वीं के पंजीकृत 929 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में शामिल होकर पर्चा हल किया है। साथ ही राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में चयनित छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष आगे की पढ़ाई करने के लिए 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति शासन के द्वारा प्रदान की जायेगी जिससे उन्हे पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा परीक्षा केन्द्राध्यक्ष डॉ. जागेश्वर अजीत ने बताया कि राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 4 अक्टूबर को संपन्न हुई है। जिसमें 407 विद्यार्थी शामिल होकर शांतिपूर्वक तरीके से पर्चा हल किये एवं 8 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। साथ ही यह भी बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद कक्षा 9 वीं में 60 प्रतिशत से उत्तीर्ण होने पर उन्हे कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक पढ़ाई करने पर 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी।

उत्तीर्ण होने पर विद्यार्थियों को मिलेगी 12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति - श्रीराम

चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन 4अक्टूबर को किया गया और नगर मुख्यालय में तीन परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। जिसमें शास. उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा, शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय अमोली, वैदिक कान्वेंट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल लालबर्रा शामिल है और पंजीकृत 940 विद्यार्थियों में से कुल 929 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, 11 अनुपस्थित रहे एवं परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई है। श्री तुरकर ने बताया कि राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में विकासखण्ड के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल हुए है और परीक्षा का परिणाम एक महीने बाद आयेगा। साथ ही यह भी बताया कि जो छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण होगें और कक्षा नवमीं से कक्षा बारहवीं तक हर कक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने के बाद उन्हे कक्षा बाहरवीं तक की पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12-12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

महाविद्यालय में योग, ध्यान सत्र और सेवा सेतु शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को फिट इंडिया योग एवं ध्यान सत्र तथा सेवा सेतु अभियान विशेष शिविर का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत योग, ध्यान सत्र में विद्यार्थियों को योग एवं ध्यान क्यों जरूरी है उसके बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा निकटवर्ती ग्राम पंचायत पाथरशाही में गांव की बेटी योजना के प्रचार-प्रसार व मार्गदर्शन हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा परिसर में पौधारोपण (वृक्षारोपण) भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भीमटे ने विद्यार्थियों से कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वच्छ विचारों का विकास होता है और स्वच्छ विचार ही एक स्वस्थ तथा सशक्त समाज का निर्माण करते हैं। साथ ही युवाओं को योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आशीष माइकल हेड मास्टर, प्राथमिक कन्या शाला मेंडकी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देश के प्रति सेवा, समर्पण और सम्मान की भावना जागृत करने का आव्हान किया है। वहीं मुख्य वक्ता डॉ. विवेक खरगाल क्रीड़ा अधिकारी, वीरांगना रानी अवंतीबाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी ने विद्यार्थियों से कहा कि योग को केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित न रखकर इसे आत्म-अनुशासन, एकाग्रता, मानसिक शांति और कार्यक्षमता बढ़ाने के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाना चाहिए। वहीं ब्रम्हाकुमारी संस्थान लालबर्रा की शारदा दीदी ने विद्यार्थियों को एकाग्रता वृध्दि हेतु श्वासों के आवागमन (प्राणायाम) पर ध्यान केंद्रित करने की विधि सिखाई और ध्यान का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी संस्थान से ईशा रोकड़े एवं ओम प्रकाश भाई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती अनिभा शरणगत एवं आभार प्रदर्शन सेवा संकल्प अभियान के संयोजक नरेश सोलखे ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सुरेंद्रकुमार खंडायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. ऋषिकेश पटेल, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नागपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक्ष हुमनेकर, निशांत तलवरे सहित छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

सड़क हादसे में घायल माया लिल्हारे का निधन, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत जाम निवासी, बहुउद्देशीय सेवा साख सहकारी समिति जाम के प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे की पत्नि 54 वर्षीय श्रीमती माया लिल्हारे का 4 अक्टूम्बर को दोपहर 2.30 बजे उपचार के लिये नागपुर ले जाते समय रास्ते में हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 5 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे जाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के जाम निवासी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे अपनी पत्नी श्रीमती माया लिल्हारे के साथ 2 अक्टूबर को मोटरसाइकिल से ग्राम खोंगाटोला रिश्तेदारी में एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। तभी प्रात: 11 बजे बेलगांव के पास अचानक चलती मोटरसाइकिल से माया लिल्हारे के गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लग गई, जिससे वे बेसुध हो गई। दुर्घटना के तत्काल बाद परिजनों के द्वारा उन्हें गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सिर का ऑपरेशन किया गया। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर बेहतर इलाज के लिए 4 अक्टूबर को उन्हें नागपुर ले जाया जा रहा था। तभी दोपहर लगभग 2.30 बजे रास्ते में भंडारा के पास उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके असामयिक निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं स्व. श्रीमती माया लिल्हारे सरल, स्वभाव व मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे पति सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। स्व. माया लिल्हारे कर 5 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे जाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

कटंगझरी में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'आंगन मिलन' कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कटंगझरी में सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को आंगन मिलन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच कविता हटवार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस 'आंगन मिलन' सेवा अभियान में सेवा समर्पण और सामाजिक सरोकार का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया एवं ब'चों को दवाइयों का वितरण किया गया। इसके साथ ही शून्य से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए आनंदमयी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री के पत्र का वाचन एवं देश के प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया। वहीं उत्कृष्ट कार्य हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर महिमा देवधरे, विष्णु सेलोकर, सरिता मात्ते, अलका गौतम, झाड़ूलाल ठाकरे, दयाराम राहंगडाले सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

वारासिवनी खैरलांजी में १३१४ परीक्षार्थियों ने कराया था पंजीयन, १२६१ विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रतिभावान एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा २०२६-२४ रविवार ४ अक्टूबर को वारासिवनी एवं खैरलांजी विकासखंड के निर्धारित शासकीय विद्यालयों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के लिए दोनों विकासखंडों में कुल १३१४ विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था जिसमें से १२६१ परीक्षार्थियों ने परीक्षा में उपस्थित होकर प्रश्नपत्र हल किया जबकि ५३ विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वारासिवनी विकासखंड में दो तथा खैरलांजी विकासखंड में दो शासकीय विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के दौरान निर्धारित समय पर विद्यार्थियों ने केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा दी। परीक्षा की व्यवस्थाओं एवं संचालन की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों एवं निरीक्षण दल के द्वारा परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया गया। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।

वारासिवनी में ६८५ में से ६५८ परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

वारासिवनी विकासखंड में राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में कुल ३७९ परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिनमें से ३५७ विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर परीक्षा दी जबकि २२ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ३०६ परीक्षार्थियों का पंजीयन था। इनमें से ३०१ छात्राओं ने परीक्षा में उपस्थित होकर प्रश्नपत्र हल किया जबकि ५ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार वारासिवनी विकासखंड में कुल ६८५ पंजीकृत परीक्षार्थियों में से ६५८ ने परीक्षा दी और २७ अनुपस्थित रहे।

खैरलांजी में ६२९ में से ६०३ विद्यार्थियों ने हल किया पेपर

खैरलांजी विकासखंड में भी परीक्षा के लिए दो शासकीय विद्यालयों को केंद्र बनाया गया था। सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी में ३१६ परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें से ३०२ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जबकि १४ अनुपस्थित रहे। वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी में कुल ३१३ परीक्षार्थियों का पंजीयन था। इनमें से ३०१ विद्यार्थियों ने परीक्षा में उपस्थित होकर प्रश्नपत्र हल किया जबकि १२ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार खैरलांजी विकासखंड में कुल ६२९पंजीकृत विद्यार्थियों में से ६०३ ने परीक्षा दी और २६ अनुपस्थित रहे।

तीन घंटे में विद्यार्थियों ने हल किए दो प्रश्नपत्र

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा निर्धारित समय सारणी के अनुसार आयोजित की गई। परीक्षार्थियों को सुबह १०.४५ बजे परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना था। इसके बाद सुबह ११ बजे से दोपहर १२.३० बजे तक मानसिक योग्यता परीक्षण यानि मेट का प्रश्नपत्र कराया गया। इसके पश्चात १५ मिनट के अंतराल के बाद दोपहर १२.४५ बजे से २.१५ बजे तक शैक्षिक योग्यता परीक्षण यानि सेट का दूसरा प्रश्नपत्र कराया गया। इस प्रकार विद्यार्थियों ने निर्धारित करीब तीन घंटे की परीक्षा अवधि में मानसिक योग्यता एवं शैक्षिक योग्यता से संबंधित दोनों प्रश्नपत्र हल किए।

आगे की पढ़ाई के लिए मिलती है वार्षिक छात्रवृत्ति

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके तहत कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होते हैं। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में अध्ययन जारी रखने के लिए शासन की ओर से प्रति वर्ष १२ हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यह छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है ,क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को इससे आगे की शिक्षा जारी रखने में आर्थिक सहायता मिलती है। यही वजह है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होने पहुंचे। परीक्षा केंद्रों के बाहर विद्यार्थियों के अभिभावकों की भी मौजूदगी रही। कई ग्रामीण क्षेत्रों से माता पिता अपने बच्चों को लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचे और परीक्षा समाप्त होने तक बाहर इंतजार करते नजर आए। अभिभावकों में अपने बच्चों के परीक्षा में सफल होकर छात्रवृत्ति प्राप्त करने की उम्मीद दिखाई दी।

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा -सतेंद्र शरणागत

बीआरसी सतेंद्र शरणागत ने बताया कि राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी किया गया है। इसके लिए सभी विकासखंडों में निर्धारित परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। वारासिवनी विकासखंड में दो शासकीय विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया जहां विद्यार्थियों ने निर्धारित समय पर पहुंचकर परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को आगे निरंतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी इस चयन परीक्षा में शामिल होते हैं तथा चयनित विद्यार्थियों को शासन की ओर से वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वारासिवनी विकासखंड में परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

एकोड़ी के नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

बहुत डीकंपोज हो चुका है शव, १० दिन पुराना होने की संभावना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी के शंकरटोला के पास स्थित नाले में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव काफी पुराना होने के कारण पूरी तरह डीकंपोज हो चुका है। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही के बाद सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवा दिया है। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फि लहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस के द्वारा शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

खेत में काम करने पहुंचे ग्रामीण ने देखा शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दिनों खेती किसानी का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में ग्राम एकोड़ी निवासी रामदास मेश्राम रविवार सुबह करीब ११ बजे अपने खेत में कृषि कार्य करने के लिए पहुंचे थे। खेत में कार्य करने के दौरान वे नाले के समीप पानी की व्यवस्था देखने गए तभी उनकी नजर नाले में पड़े एक व्यक्ति के शव पर पड़ी। शव दिखाई देते ही उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी आसपास के ग्रामीणों को दी। नाले में शव मिलने की जानकारी कुछ ही देर में पूरे गांव में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद ग्राम सरपंच के द्वारा घटना की सूचना वारासिवनी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर उप निरीक्षक मानिक पटले पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद ग्रामीणों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया। शव काफी समय से पानी में पड़े होने के कारण अत्यधिक डीकंपोज हो चुका था और मौके पर दुर्गंध भी फैल रही थी। प्रारंभिक स्थिति के आधार पर पुलिस ने शव करीब १० दिन पुराना होने की संभावना जताई है। मृतक की उम्र लगभग ४० वर्ष आंकी जा रही है। मृतक ने पीली रंग की शर्ट और काले रंग का लोअर पहन रखा था। पुलिस के द्वारा मौके पर मौजूद लोगों तथा आसपास के ग्रामीणों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया गया लेकिन पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। शव की स्थिति अत्यधिक खराब होने के कारण फि लहाल मृत्यु के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। शव को सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवा दिया गया है। सोमवार सुबह चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम किए जाने के बाद ही मृत्यु के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शिनाख्त का कर रहे प्रयास-मानिक पटले

उपनिरीक्षक मानिक पटले ने दूरभाष पर बताया कि थाने में नाले में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया गया। शव करीब १० दिन पुराना प्रतीत हो रहा है तथा अत्यधिक डीकंपोज हो चुका है। मृतक की उम्र लगभग ४० वर्ष होने का अनुमान है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम गृह में सुरक्षित रखवाया गया है तथा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही के बाद मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस द्वारा मृतक की पहचान के लिए आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ साथ गुमशुदगी के मामलों से भी संभावित तौर पर मिलान किया जा रहा है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय में युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

आंतरिक शक्ति से ही बाहरी सफलता संभव उर्वशी दीदी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय साधना भवन वारासिवनी के युवा प्रभाग के द्वारा युवाओं को आत्मशक्ति, सकारात्मक सोच, अनुशासन, श्रेष्ठ संस्कार एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय भव्य युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वारासिवनी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा भाई बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शक बी के उर्वशी दीदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में मिलने वाली बाहरी सफलता की वास्तविक नींव व्यक्ति की आंतरिक शक्ति होती है। यदि मन शांत, विचार सकारात्मक और आत्मबल मजबूत हो तो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग, तनाव, नकारात्मक सोच और विभिन्न प्रकार के व्यसन युवाओं की ऊर्जा को प्रभावित कर रहे हैं। इनसे बचने के लिए युवाओं को अपने मन को शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मक चिंतन, अनुशासित दिनचर्या एवं श्रेष्ठ संगति को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा, युवाओं को जोड़ने तथा आयोजन को सफल बनाने में उर्वशी दीदी का विशेष मार्गदर्शन रहा। बी के उषा ने अपने आत्मिक स्नेह एवं मातृत्वपूर्ण वचनों से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति समाज की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। युवा यदि श्रेष्ठ संस्कारों, प्रेम, करुणा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ें तो परिवार एवं समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने युवाओं को अपने माता पिता एवं परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को समझते हुए आध्यात्मिक मूल्यों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफ लता के साथ साथ एक अच्छा इंसान बनना भी जीवन की बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम के संयोजक अंकित ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ऊर्जा प्रतिभा रचनात्मकता और नई सोच से भरपूर है। आवश्यकता केवल इस ऊर्जा को सही दिशा देने की है। उन्होंने बताया कि युवा प्रभाग का उद्देश्य युवाओं को केवल कार्यक्रमों से जोड़ना नहीं बल्कि उनके जीवन में शांति सकारात्मकता आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक शक्ति को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि वारासिवनी एवं आसपास के क्षेत्र के अधिक से अधिक युवाओं तक सकारात्मक जीवन एवं आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान २०२६ के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय में योग व ध्यान सत्र का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। जिला आयुष अधिकारी डॉ.सवेदिता कुमरे के निर्देशन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सांदीपनी स्कूल खैरलांजी में योगा व ध्यान सत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सुनीता बहेटवार जिला पंचायत सदस्य ,सरपंच श्रीमती ज्योति नगपुरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शाला के शिक्षकगण छात्र छात्राएं तथा आयुष विभग के डॉ.युक्तिमा पारधी, डॉ.अवधेश परतेती,योग प्रशिक्षक व सहायक के द्वारा उत्साह पूर्वक सहभागिता से सामूहिक योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली एवं जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान लगभग १०२ लाभार्थी उपस्थित रहे।

सेवा सेतु अभियान अंतर्गत कृषि उपज मंडी में मेगा शिविर आयोजित

सरकार की सभी योजनाओं को घर घर पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी-सरीता दांदरे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार अंतर्गत नगर के कृषि उपज मंडी में मेगा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित कार्यवाही एक ही स्थान पर की गई। शिविर में पात्र नागरिकों का योजनाओं एवं सेवाओं में पंजीयन, आवेदन,आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना,पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को जनप्रतिनिधियों के हस्ते प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस दौरान मोनू लिंमजे, आशुतोष कोहाड़, धरमु जोशी, रुक्मणी बिसेन,ललिता ठाकरे, दीपा रूसिया, सौरभ पटेल,दीप चौहान, मिथलेश बुरडे,विवेक ऐडे,सुनील जायसवाल, शैलेन्द्र सेट्टी,मनोज दांदरे,विनोद मिश्रा, देवी लिल्हारे,संतोष ठकरेले मौजूद रहे। पार्षद संदीप मिश्रा ने कहा कि नगर के नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सहज एवं त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेगा शिविर का आयोजन किया गया है। हमारी नगर पालिका के द्वारा हर वॉर्डों में शिविर लगाकर समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। हमारे नगरीय क्षेत्रों के हर रहवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारे कर्मचारी पूरी मेहनत के साथ शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचा रही है। यही कारण है कि प्रत्येक नागरिकों को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरीता मनोज दांदरे ने कहा कि हमारी केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार चाहती है कि शहर से लेकर गांव तक बसे हर व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ मिले। और हमारी परिषद पूरी मेहनत से काम कर रही है। नगर के हर वॉर्डों में विकास कार्य होने के साथ ही हर व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वॉर्ड में शिविर के माध्यम से भी आ रही शिकायतों का तत्काल समाधान किया जा रहा है। किसी कारणों से अगर कोई व्यक्ति इस शिविर में नहीं पहुंचा होगा तो उसकी समस्याओं का समाधान हमारे परिषद के कर्मचारी उनके निवास पहुंचकर निराकरण करेंगे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मैं चाहता हुं कि शासन की योजनाओं का लाभ सिर्फ कागजों में नहीं बल्कि धरातल में भी नजर आए। मैं नगर पालिका में पांच वर्ष नपा उपाध्यक्ष और पांच वर्ष नगर पालिक अध्यक्ष था। बहुत सुंदर शहर हमारा शहर है,बहुत खूबसूरती बसावट हैख्वहीं नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद वही व्यक्ति बने जिन पर सेवा की भावना हो,मैं जब नगर पालिका अध्यक्ष था। मुझे अच्छे कार्यों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने सम्मानित किया था। इस कार्यक्रम का उद्देश ही है कि हर व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले। नगर के वॉर्ड नौ में शहर का कचरा डंप होता था। आज शहर के बहार हो गया ताकि किसी को कोई परेशानी ना हो। नगर के कुछ लोग अपनी समस्या लेकर पालिका पहुंचते है,तो उनके कार्य नहीं हो पाते। किसी के साथ भेदभाव ना किया जाए,जनप्रतिनिधि का काम होता है जनता की सेवा करें,मै विधायक बना हुं तो आप लोगों के आशीर्वाद से ही बना हुं। मेरी अगर आप लोगों को जरूरत पड़े तो मैं आपके साथ खड़ा हुं।

सांदीपनि विद्यालय के छात्र ने संभाग स्तरीय बालरंग समारोह २०२६ में पाया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। संभाग स्तरीय बालरंग समारोह २०२६ में सांदीपनि विद्यालय के छात्र आदित्य चैनलाल शुक्ला ने वेदपाठ प्रतियोगिता में शामिल होकर प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य के लिए चयनित हुआ। एवं मयंक गोविंद चौधरी ने तात्कालिक भाषण में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने जिले का नाम रोशन किया। छात्रों के चयन में संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले का समय समय पर दिशा निर्देशन महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का आयोजन पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल उत्कृष्ट विद्यालय जबलपुर में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संभागीय संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में एवं संभागीय जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में सम्पन किया गया। मॉडल उत्कृष्ट स्कूल जबलपुर के प्राचार्य की कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने छात्रों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक को राज्य स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई दी। छात्रों के साथ संभाग स्तर पर मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती अन्नू राहंगडाले , लखन रिनायत, जितेंद्र मिश्रा ,प्रवीण राणा, डेलेन्द्र मेश्राम, कमल टेंभरे दुर्गेश शिवहरे ,मुकेश देशकर ,डॉली खैरवार, टीकाराम डहेरिया, अमित डोंगरे सहित समस्त विद्यालय परिवार का योगदान सराहनीय रहा।

कोविंद समिति से सुप्रीम कोर्ट तक उठे संवैधानिक सवाल

इन दिनों विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में एकराष्ट्र-एक चुनाव ,विषय पर चर्चा व चिन्तन पर चहुँ दिशाओं मे हो रही है। लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराने की अवधारणा अब केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं रह गई है,बल्कि यह मुद्दा शनैः - शनैः देश की संवैधानिक व्यवस्था,संसद की विधायी शक्ति और न्यायपालिका की स्वतंत्र भूमिका के बीच संतुलन से जुड़ा एक ज्वलंत प्रश्न बन चुका है। सर्वविदित रहे कि 'एक राष्ट्र,एक चुनाव' को लेकर पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी ।इसके बाद संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक संसद की संयुक्त समिति के विचाराधीन है ।इसी क्रम में सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ संयुक्त संसदीय समिति की प्रस्तावित अनौपचारिक बैठक रद्द होना एक महत्वपूर्ण संवैधानिक घटनाक्रम के रूप में सामने आया है ।सुत्रों के अनुसार संयुक्त संसदीय समिति की सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ प्रस्तावित बैठक 6 अक्टूबर को होनी थी। सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव कार्यालय की ओर से संबंधित पक्ष को यह बताया गया कि प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन भविष्य में न्यायिक समीक्षा का विषय बन सकता है ।ऐसी स्थिति में वर्तमान न्यायाधीशों द्वारा इस विषय पर प्रशासनिक अथवा अनौपचारिक चर्चा करना उचित या वांछनीय नहीं माना गया ।यही कारण रहा कि प्रस्तावित बैठक को आगे नहीं बढ़ाया गया ।इस घटनाक्रम को 'एक राष्ट्र,एक चुनाव' के विरोध के रूप में देखना उचित नहीं होगा ।दरअसल में सवाल किसी चुनाव सुधार का समर्थन या विरोध नहीं,बल्कि न्यायपालिका की संस्थागत मर्यादा और भविष्य में संभावित न्यायिक समीक्षा से जुड़ा है ।यदि संसद किसी संवैधानिक संशोधन को कानून का रूप देती है और बाद में उसी कानून की संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जाती है,तो वर्तमान न्यायाधीशों का उस कानून के निर्माण से पहले उसके विषय में अनौपचारिक चर्चा करना न्यायिक निष्पक्षता के सवाल पैदा कर सकता है ।यहाँ पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की भूमिका को भी समझना आवश्यक है ।'एक राष्ट्र,एक चुनाव' पर गठित उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष के रूप में कोविंद ने इस विषय पर देश के विभिन्न वर्गों,राजनीतिक दलों, विधि विशेषज्ञों और पूर्व न्यायाधीशों से व्यापक विचार- विमर्श किया था ।समिति ने 14 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपी थी ।इस रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में समिति ने 65 बैठकें कीं और पूर्व मुख्य न्यायाधीशों तथा अन्य विधि विशेषज्ञों से भी राय ली ।पूर्व न्यायाधीशों से संवाद और वर्तमान न्यायाधीशों से संभावित कानून पर चर्चा के बीच यही मूल अंतर है ।पूर्व न्यायाधीश किसी प्रस्तावित कानून पर स्वतंत्र रूप से अपना कानूनी और संवैधानिक मत रख सकते हैं,क्योंकि वे उस समय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित या संभावित मामले की सुनवाई का हिस्सा नहीं होते ।इसके विपरीत वर्तमान न्यायाधीशों के सामने भविष्य में उसी कानून की संवैधानिक समीक्षा का प्रश्न आ सकता है ।इसलिए उनसे किसी प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन के विषय में अनौपचारिक चर्चा से दूरी बनाए रखना न्यायपालिका की संस्थागत स्वतंत्रता के अनुरूप ही माना जाएगा ।यहाँ दिलचस्प बात यह है कि संयुक्त संसदीय समिति इससे पहले कई पूर्व प्रधान न्यायाधीशों के विचार सुन चुकी है ।पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे.एस. खेहर,रंजन गोगोई, डी.वाई. चंद्रचूड़ और यू.यू. ललित सहित पूर्व न्यायिक पदाधिकारियों से समिति ने विचार-विमर्श किया है।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टोबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टोबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टोबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अत: भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अत: विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अत: भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण-जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे।

कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णत- असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।

-प्रहलाद सबनानी

एशियाड में भारत की स्वर्णिम उपलब्धियां,बेटियों की चमक से बढ़ा देश का गौरव

-कांतिलाल मांडोत

एशियाई खेलों में भारत की सफलता केवल पदकों की संख्या नहीं, बल्कि बदलते भारत की उस तस्वीर का प्रमाण है जिसमें मेहनत, प्रतिभा और आत्मविश्वास मिलकर नई उपलब्धियों का निर्माण कर रहे हैं। एशियाड के अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों ने जिस अंदाज में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगाई, उसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया। क्रिकेट में पाकिस्तान को मात मिली, हॉकी में मलेशिया को पराजित कर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार स्वर्ण अपने नाम किया, कुश्ती में अमन सहरावत ने पदक का रंग बदला और सबसे बड़ी बात यह रही कि भारतीय बेटियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से स्वर्णिम इतिहास रच दिया।

भारत ने इन एशियाई खेलों में 21 स्वर्ण सहित कुल 85 पदक हासिल किए और पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उपलब्धियों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में अपनी क्षमता दिखाई। मैदान चाहे क्रिकेट का हो, हॉकी का, कुश्ती का, तीरंदाजी का या गोल्फ का, भारतीय तिरंगा लगातार ऊंचा होता दिखाई दिया। यह प्रदर्शन बताता है कि भारतीय खेल प्रतिभा अब किसी एक खेल तक सीमित नहीं रह गई है।

इस सफलता की सबसे प्रेरक तस्वीर भारतीय महिला खिलाड़ियों ने प्रस्तुत की। तीरंदाजी में 17 वर्षीय कुमकुम महोदे ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल में दक्षिण कोरिया की येजिन ओह के खिलाफ कड़े मुकाबले में उन्होंने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय दिया। शूटआफ में मिली जीत ने उन्हें केवल स्वर्ण पदक ही नहीं दिलाया, बल्कि भारतीय महिला तीरंदाजी के इतिहास में विशेष स्थान भी दिया। इस स्पर्धा में लंबे समय से भारत जिस सफलता की प्रतीक्षा कर रहा था, उसे एक युवा बेटी ने पूरा किया।

कुमकुम की उपलब्धि भारतीय बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास की कहानी है। कुछ वर्ष पहले तक खेलों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर अनेक सीमाएं दिखाई देती थीं। आज स्थिति बदल रही है। बेटियां प्रशिक्षण ले रही हैं, कठिन प्रतिस्पर्धाओं में उतर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के लिए पदक जीत रही हैं। उनकी सफलता परिवारों की सोच बदल रही है और छोटे शहरों तथा गांवों की अनेक बेटियों को यह भरोसा दे रही है कि खेल भी उनके भविष्य का मजबूत रास्ता बन सकता है।

गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स की सफलता भी इसी बदलाव की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर भारतीय गोल्फ के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। प्रणवी की कहानी विशेष रूप से प्रेरणादायक है। उन्होंने केवल छह वर्ष की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। परिवार के साथ मैसूरु रेसकोर्स जाने के दौरान उन्हें इस खेल में रुचि हुई। बचपन में शुरू हुआ यह सफर धीरे-धीरे जुनून में बदल गया और वर्षों की मेहनत के बाद वही बालिका एशियाई खेलों के मंच पर भारत के लिए स्वर्ण जीतने वाली महिला गोल्फर बनी।

प्रणवी की जीत यह संदेश देती है कि प्रतिभा को अवसर और परिवार का सहयोग मिले तो वह बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल कर सकती है। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का अभ्यास, अनुशासन और धैर्य है। एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना किसी एक दिन की उपलब्धि नहीं होती। इसके पीछे बचपन से शुरू हुई तैयारी और असंख्य त्याग जुड़े होते हैं। यही कारण है कि प्रणवी का स्वर्ण पूरे देश के लिए केवल एक पदक नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की पाकिस्तान पर 19 रन की जीत ने इस स्वर्णिम अभियान को और यादगार बना दिया। फाइनल में भारत ने मजबूत स्कोर खड़ा किया और पाकिस्तान की टीम को निर्धारित ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में क्रिकेट का स्वर्ण जीतना भारतीय क्रिकेट की मजबूती को दर्शाता है। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में जीत का अपना अलग रोमांच होता है, लेकिन इस सफलता का वास्तविक महत्व उस अनुशासित प्रदर्शन में है जिसने भारत को स्वर्ण पदक तक पहुंचाया।

हॉकी में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 5-1 से हराया। लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतना भारतीय हॉकी के लिए बड़ी उपलब्धि है। टीम ने पूरे मुकाबले में आक्रामकता, संयम और तालमेल का परिचय दिया। इस सफलता के साथ 2028 के ओलंपिक में भारत के लिए राह भी सुनिश्चित हुई। भारतीय हॉकी का इतिहास गौरवशाली रहा है और इस तरह की जीत उस परंपरा को नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम करती है।

कुश्ती में अमन सहरावत ने 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी पिछली उपलब्धि को और ऊंचाई दी। पिछली बार कांस्य पदक जीतने वाले अमन ने इस बार स्वर्ण पर कब्जा जमाया। फाइनल में उन्होंने उत्तर कोरिया के विश्व चैंपियन पहलवान को 11-7 से हराया। यह सफलता बताती है कि खिलाड़ी पिछली प्रतियोगिताओं के अनुभव से सीख लेकर अपनी कमजोरियों को दूर कर सकते हैं और अगली चुनौती के लिए अधिक मजबूत होकर लौट सकते हैं।

इन उपलब्धियों को एक साथ देखा जाए तो एशियाड में भारत की कहानी केवल पुरुष खिलाड़ियों की सफलता की कहानी नहीं है। महिला खिलाड़ियों ने भी बराबर की ताकत के साथ देश की पदक यात्रा को आगे बढ़ाया है। कई क्षेत्रों में तो उन्होंने ऐसा इतिहास बनाया है, जो आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। यही भारतीय खेलों के बदलते स्वरूप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। अब बेटियां किसी से पीछे रहने के लिए नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से नई ऊंचाइयां तय करने के लिए मैदान में उतर रही हैं।

भारत का यह स्वर्णिम प्रदर्शन देश के लिए उत्सव का अवसर है, लेकिन इससे भी बड़ा अवसर उस सोच को मजबूत करना है जिसमें हर बच्चे को खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले। कुमकुम और प्रणवी जैसी बेटियों की जीत हजारों परिवारों को प्रेरित करेगी। जब देश की बेटियां अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा फहराती हैं तो उनकी जीत केवल उनके परिवार की नहीं रहती, वह पूरे भारत की जीत बन जाती है। एशियाड में मिले ये स्वर्ण पदक आने वाले समय के लिए उम्मीद का संदेश हैं कि भारत खेलों की दुनिया में लगातार आगे बढ़ रहा है और उसकी बेटियां इस यात्रा की सबसे चमकदार पहचान बन रही हैं।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है।

वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-शिक्षकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना। यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है।

आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है।

महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये'-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में

शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव प ?ती है।

आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकृ-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल 'गुरु' नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है।

नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा। इसलिए आज शिक्षक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह विद्यार्थी को कितनी जानकारी दे सकता है, बल्कि यह है कि वह विद्यार्थी को कैसा मनुष्य बना सकता है। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ का विचार था कि व्यक्तित्व-निर्माण अत्यंत कठिन कार्य है और जागरूक, नि:स्वार्थ शिक्षक ही दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। यही शिक्षक की असली तपस्या है। वह प्रतिदिन अनेक जीवनों को स्पर्श करता है और उसे पता भी नहीं होता कि उसकी कही हुई कोई छोटी-सी बात किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकती है। आज विश्व शिक्षक दिवस हमें केवल शिक्षकों को धन्यवाद देने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि हम शिक्षक को वह सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग दे रहे हैं या नहीं, जिसकी उसे आवश्यकता है। 1966 की अनुशंसा के छह दशक बाद भी यूनेस्को इस पेशे की स्थिति को पुनर्विचार का विषय बना रहा है, क्योंकि बदलती दुनिया ने शिक्षक के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आज शिक्षक के हाथ में केवल चॉक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली सभ्यता की दिशा है। वह तय कर सकता है कि एआई से समृद्ध होने वाली दुनिया अधिक मानवीय बनेगी या अधिक यांत्रिक; ज्ञान बढ़ने के साथ विवेक बढ़ेगा या नहीं; तकनीकी प्रगति के साथ करुणा और अहिंसा भी आगे बढ़ेंगी या नहीं। इसलिए 2026 की थीम-शिक्षकों के साथ खड़े रहना दरअसल भविष्य के साथ खड़े रहने का आह्वान है। शिक्षक को सशक्त करना नई पीढ़ी को सशक्त करना है। शिक्षक का सम्मान करना ज्ञान, संस्कार और मानवता का सम्मान करना है। और शिक्षक को उसकी गरिमा लौटाना उस नई सृष्टि की नींव मजबूत करना है, जिसमें विज्ञान के साथ संवेदना, बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ करुणा और प्रगति के साथ शांति का सह-अस्तित्व हो। क्योंकि मशीनें भविष्य को तेज बना सकती हैं, लेकिन शिक्षक ही भविष्य को मानवीय बना सकते हैं।

-ललित गर्ग

त्योहारों की आहट से सरसों-सोयाबीन तेज, मूंगफली-पाम नरम

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। एक ओर त्योहारी मांग और उपलब्धता की कमी ने सरसों तथा सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में सुधार लाया, वहीं दूसरी ओर नई फसलों की आवक और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के दबाव ने मूंगफली, बिनौला और पाम तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की। बाजार सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह कच्ची घानी मिलों की बढ़ती मांग और आगामी त्योहारों के मद्देनजर बढ़ी उपभोक्ता मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन के दाम में मजबूती आई। इसी तरह स्थानीय त्योहारी मांग और बड़े प्लांट मालिकों की ओर से अच्छी खरीद के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम भी सुधार के साथ बंद हुए। हालांकि, अधिक आयात के कारण सोयाबीन तेल अब भी अपनी लागत से 2-3 रुपये प्रति किलो कम पर बिक रहा है। इसके उलट मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण नई फसलों की बढ़ती आवक रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया और इंडोनेशिया में पाम तेल का स्टॉक बढ़ने से वायदा कारोबार में दाम टूटे, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में भी पाम-पामोलीन तेल की कीमतें नरम रहीं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये के सुधार के साथ 8,400-8,450 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 300 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमश- 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,765-2,865 रुपये और 2,765-2,915 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 100-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 6,050-6,100 रुपये और 5,750-5,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। नई फसल की आवक बढ़ने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 7,400-7,850 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,605-2,905 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 13,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।नई फसल की आवक शुरू होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 450 रुपये की गिरावट के साथ 14,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

त्योहारी सीजन में रसोई गैस सिलेंडर पर राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। हर महीने की पहली तारीख या त्योहारों से ठीक पहले रसोई गैस के दामों पर सबकी निगाहें टिकी रहती हैं। ऐसे में 4 अक्टूबर को घरेलू एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। 14.2 किलो वाले सिलेंडर की कीमत में रविवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे त्योहारी मौसम में लाखों घरों को राहत मिली है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल के लिए 19 किलो वाले सिलेंडर महंगे हो गए हैं, जिसका सीधा असर कारोबार पर पड़ेगा। महीने की शुरुआत में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में स्थिरता बनी हुई है। 4 अक्टूबर को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राजधानी दिल्ली में यह सिलेंडर अभी भी 942 रुपये में मिल रहा है। इसी तरह, मुंबई में 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये पर स्थिर है। त्योहारों के दौरान जब घर का खर्च बढ़ जाता है, ऐसे में गैस सिलेंडर की कीमतों में स्थिरता मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ी राहत है। व्यवसायों पर अतिरिक्त बोझ जहां घरेलू ग्राहकों को राहत मिली है, वहीं 1 अक्टूबर से कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी हुई है। 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 62.50 रुपये महंगा होकर 2,810 रुपये हो गया है। मुंबई में इसकी कीमत 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये हो गई है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और अन्य छोटे-बड़े कारोबारों पर पड़ेगा जो बड़े पैमाने पर गैस का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनकी परिचालन लागत बढ़ जाएगी, जिसका असर उपभोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और उत्पादों की कीमतों पर भी दिख सकता है। घरेलू और कमर्शियल गैस में अंतर घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) का उपयोग घरों में खाना पकाने के लिए होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल किया जाता है। दोनों की कीमतें और उनके दाम में बदलाव की दरें अलग-अलग होती हैं, जिसका प्रभाव विभिन्न उपभोक्ता वर्गों पर पड़ता है।

सर्दियों से पहले ही शादियों ने बढ़ाई होटल उद्योग की चमक

नई दिल्ली। एजेंसी। सर्दियां शुरू होने से पहले ही देश के होटल उद्योग में शादी समारोहों के लिए अभूतपूर्व मांग देखने को मिल रही है। लोकप्रिय होटल और रिजॉर्ट्स में आगामी सीज़न के लिए ही नहीं, बल्कि कई साल पहले से ही बुकिंग शुरू हो गई है, जिससे इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। होटल उद्योग में विवाह से संबंधित कारोबार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। मैरियट इंटरनेशनल के नूर महल, करनाल के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि उनके होटल के विवाह कारोबार में पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नवंबर और फरवरी जैसे प्रमुख महीनों के लिए होटल में बुकिंग लगभग पूरी हो चुकी है। परिवार अब विवाह समारोह के लिए अधिक दिन तक चलने वाले और व्यक्तिगत आयोजनों को प्राथमिकता दे रहे हैं, और वे बुकिंग भी काफी पहले कर रहे हैं। यह बदलाव होटल उद्योग को न केवल बेहतर राजस्व प्रदान कर रहा है बल्कि भविष्य के कारोबार की बेहतर जानकारी भी दे रहा है, क्योंकि शादी-विवाह का सीजन होटलों के लिए कमरे, बैंक्वेट, खान-पान और अन्य आयोजनों की मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि लाता है।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

मुंबई।एजेंसी। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते ब्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रुख को भी करीब से समझेंगे, जो भविष्य की ब्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी सप्ताह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी

तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर ब्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है। बीते सप्ताह भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा, जहां सेंसेक्स 4 दिन में 1800 अंक से अधिक टूटा और निफ्टी में भी 3 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है, जिससे यह सप्ताह और भी चुनौतीपूर्ण बन सकता है।

वित्तीय स्थिरता-आरबीआई गवर्नर की चेतावनी, अगला संकट बाहरी कारणों से संभव

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने देश की वर्तमान वित्तीय मजबूती पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य के संभावित वित्तीय संकटों के प्रति आगाह किया है। दिल्ली में आयोजित 'कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' में उन्होंने कहा कि अगला बड़ा संकट आंतरिक नहीं, बल्कि बाहरी कारकों से उत्पन्न हो सकता है, जिसके लिए व्यापक निगरानी आवश्यक है। गवर्नर मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि भारत के बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), सरकार और सामान्य परिवार वर्तमान में आर्थिक रूप से मजबूत हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि जब चीजें लंबे समय तक सुचारु चलती रहती हैं, तो अक्सर अनजाने में बड़े जोखिम पैदा हो जाते हैं, और आर्थिक दबाव बहुत तेजी से उभर सकता है, जिससे उबरने में कई साल लग सकते हैं। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि अगला बड़ा संकट जरूरी नहीं कि वित्तीय व्यवस्था के भीतर से ही शुरू हो। यह भू-राजनीतिक तनाव, साइबर हमलों या किसी बड़ी तकनीकी खराबी जैसी बाहरी घटनाओं से भी आ सकता है। इसलिए, अब केवल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि एनबीएफसी, पेमेंट सिस्टम और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणालियों की सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा। एआई और टोकेनाइजेशन जैसी तकनीकों को फायदेमंद बताते हुए, उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े बड़े जोखिमों के प्रति आरबीआई के सतर्क रुख को दोहराया, विशेषकर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए। उन्होंने अंत में कहा कि पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे बाहरी झटकों से निपटने के लिए भारत मजबूत स्थिति में है।

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलाशेंगे खनिज संपत्ति

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत

आयात करता है। यह कोयला मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और मोजाम्बिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चूना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है। एनएमडीसी, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क उत्पादक है, अब अन्य खनिजों की खोज में भी विस्तार कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अ ?धिकारी ने हाल ही में कहा था कि उनका लक्ष्य 2030 तक कुल राजस्व में लौह अयस्क के अलावा अन्य खनिजों की हिस्सेदारी को कम से कम 20 प्रतिशत तक पहुंचाना है, जिससे इस पहल को और बल मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको कई कामों में व्यस्त रख सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां सामने हों तो घबराने के बजाय प्राथमिकता तय करके आगे बढ़ें। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन को खुशी देगी। लंबे समय से मन में बसी कोई इच्छा पूरी होने से संतोष मिलेगा। पुराने अधूरे काम पूरे करने का उत्साह रहेगा और घर में किसी शुभ आयोजन की तैयारी से वातावरण खुशनुमा हो सकता है।

वृषभ- आज आलस्य छोड़कर पूरे उत्साह के साथ अपने कामों पर ध्यान देने का समय है। नई जिम्मेदारी शुरुआत में थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपको मजबूती देगा। बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सोच-समझकर करें, क्योंकि छोटी बात भी तकरार का कारण बन सकती है। परिवार में किसी मुद्दे पर मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें धैर्य से सुलझाया जा सकता है। घर में बदलाव या सजावट का विचार भी मन में आ सकता है।

मिथुन- आज नए काम की शुरुआत के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। लंबे समय से जिस कदम को लेकर सोच-विचार कर रहे थे, उसमें आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ पुरानी गलतफहमियां बातचीत से दूर होंगी और रिश्ते में फिर से मिठास आएगी। किसी दूर रहने वाले खास व्यक्ति की याद मन को भावुक कर सकती है। वाहन से जुड़ा अचानक खर्च हो सकता है, इसलिए सावधानी रखें और दूसरों की बातों में उलझने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें।

कर्क- आज आपका मन दूसरों की मदद करने और जरूरतमंदों के काम आने में लगेगा। सेवा और सहयोग से आपको भीतर से संतोष महसूस होगा। संतान के साथ समय बिताने या कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है। लंबे समय से अटका कोई पुराना लेन-देन भी सुलझने की उम्मीद है। कामकाज में धैर्य बनाए रखें और वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। यात्रा के दौरान मिली कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य में आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

सिंह- आज मेहनत के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी से हल्की बहस हो सकती है। ऐसे में शांत रहना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान से किया कोई वादा पूरा करने का अवसर आएगा, वहीं पिता की ओर से कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन से सकारात्मक वातावरण बनेगा।

कन्या- आज कोई अच्छी खबर आपके पूरे दिन को खुशनुमा बना सकती है। व्यवसाय में किए गए बदलाव अब सकारात्मक परिणाम देने लगेंगे और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। बॉस या वरिष्ठ अधिकारी के साथ चली आ रही दूरी कम हो सकती है। घर की सजावट, खरीदारी या किसी नई वस्तु को लेकर उत्साह रहेगा। अटका हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद भी है।

तुला- आज कोई भी कदम उठाने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना आपके लिए जरूरी रहेगा। बीती गलतियों से मिली सीख इस समय आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। बिना मांगे सलाह देने से बचें और अपने आसपास की परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ें।

वृश्चिक- आज आप सफलता और प्रगति की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ेंगे। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना रिश्तों में मजबूती लाएगा। घर की संपत्ति या बंटवारे से जुड़ी कोई चर्चा सामने आ सकती है, जिसमें जल्दबाजी से बचें। मन में चल रही कोई चिंता थोड़ी बेचैनी दे सकती है। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय आगे चलकर सकारात्मक परिणाम दे सकता है।

धनु- आज समझदारी और संतुलन से लिए गए फैसले आपको राहत देंगे। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का माहौल भी खुशनुमा बनेगा। काम को लेकर जो चिंता कुछ समय से परेशान कर रही थी, उसमें धीरे-धीरे कमी आएगी। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ सकती है।

मकर- आज का दिन परिवार और काम दोनों के लिहाज से सुखद रह सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। निवेश या शेयर बाजार से लाभ की संभावना बन सकती है, लेकिन किसी की बातों में आकर जल्दबाजी में निर्णय न लें। आपके काम की तारीफ से पहचान और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे।

कुंभ- आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरे रहेंगे। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे लोगों के बीच आपकी पहचान और सम्मान बढ़ेगा। माताजी से किए गए किसी वादे को पूरा करने की कोशिश करेंगे। संतान अपने करियर या नौकरी से जुड़े किसी महत्वपूर्ण विषय पर आपसे सलाह मांग सकती है।

मीन- आज का दिन परिवार के साथ खुशी और सुकून भरे पल बिताने का अवसर देगा। पुराने मतभेद बातचीत के जरिए दूर किए जा सकते हैं और रिश्तों में फिर से गर्माहट आएगी। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या नकारात्मकता रखने के बजाय सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

शब्दजाल - 8411

ए	म	मा	डॉ.	न	गे	न्द्र	सिं	ह	क	वि
हा	न	सू	ह	म	ल	जी	स	ल	न	ज
सु	वी	गो	द	अं	नो	त	र	थ	ल	टी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	व	ए
मा	जे.	न	ष	ल	म	मी	र	म्म	सी	स.
र	मी	ए	स	जि	स्वा	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	वु	म.	टी	म	मी	टे	वी.	ह	ण
न	पू	सु	पा	लिं	पं.	सौ	ल	वी.	ना	मू
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	टं	न	र्ति
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	थ
टी.	ए	न	शे	ष	न	इ	ह	न	ह	धी

शब्दजाल में 'भारत के प्रमुख 10 चुनाव आयुक्तों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

सुकुमार सेन, डॉ. नगेन्द्रसिंह, टी. स्वामीनाथन, टी.एन.शेषन, मनोहरसिंह,टी.एस. कृष्णमूर्ति,वी.वी.टंडन, एन.गोपालस्वामी,जे.एम. लिंगदोह, आर.के. त्रिवेदी

शब्दजाल - 8410 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.51 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.06 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.22 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.27 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.13 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.46 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.55 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कर्क	00.08 बजे से
		सिंह	02.24 बजे से
		कन्या	04.36 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 278 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 23.10 बजे को समाप्त। **योग** शिव 09.52 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 15.00 बजे तदनन्तर विष्टि 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 04° 39' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872853 **जूलियन दिन** 2461318.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 23 **विशेष** विश्व आवास दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मनुष्यता का पाठ

यह उन दिनों की बात है, जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति थे। अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी में एक युवक काम करता था। उसका काम पहरा देना था। वह बहुत ही परिश्रमी और ईमानदार था। सेना की उसी टुकड़ी में युवक का एक करीबी मित्र भी काम करता था। एक बार युवक का मित्र बीमार पड़ गया। मित्र के घर में कोई नहीं था। अब युवक को दो-दो काम संभालने पड़ते थे। दिन में वह बीमार मित्र की सेवा-टहल में लगा रहता और रात में पहरेदारी करता था। एक दिन जब वह पहरा दे रहा था तो अत्यधिक थकान के कारण उसे नींद आ गई और वह ड्यूटी पर ही सो गया। कुछ ही देर में वह सोता हुआ पकड़ लिया गया। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफसैन्य अदालत में मुकदमे की कार्यवाही शुरू हो गई। युवक ने किसी तरह अब्राहम लिंकन के पास प्रार्थनापत्र भेजकर निवेदन किया कि उसे क्षमा किया जाए। उसने अपने प्रार्थनापत्र में लिखा कि मित्र की सेवा में लगे होने के कारण ही ड्यूटी में उदासीनता हुई है। उसके पत्र का लिंकन पर बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने उस युवक से मिलने की इच्छा जताई। युवक से मिलकर वह बोले, 'तुम जानते थे, यदि तुम दिन में मित्र की सेवा करोगे, तो रात में पहरे पर जरूर सो जाओगे। फिर भी तुमने अपने मित्र की सेवा क्यों की?' युवक बोला, 'वह मेरा मित्र था श्रीमान्। घर में उसकी देखभाल के लिए कोई नहीं था। एक मनुष्य का यह परम धर्म है कि जब उसका कोई अपना संकट में पड़े, तब वह उसकी सहायता अवश्य करे।' लिंकन युवक के उत्तर से बहुत अधिक प्रसन्न हुए। उन्होंने युवक को क्षमादान देते हुए कहा, 'देखो, जब तक तुम सेना में काम करो, अपनी मनुष्यता को कभी न भूलना। मनुष्य को कभी भी अपनी मनुष्यता को नहीं छोड़ना चाहिए।' लिंकन की क्षमाशीलता ने युवक को सच्चा सैनिक बना दिया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7345

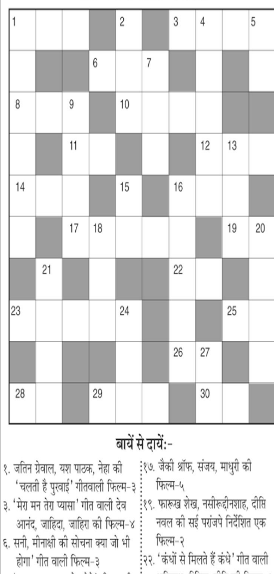

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7344

अ	नि	ता	■	रो	श	नी	■	धू	म
क्स	■	क	सौ	टी	■	ल	ज्वा	■	स्त
■	अं	त	■	क	स	म	■	भा	■
जो	श	■	कं	प	नी	■	आ	र	जू
रू	■	दि	■	ड़ा	■	जी	न	त	■
का	ज	ल	■	औ	र	त	■	■	पा
गु	■	ज	रू	र	त	■	पा	ल	की
ला	ड़	ला	■	म	न	■	य	■	जा
म	■	■	शा	का	■	जा	ल	■	■
■	फ	र	दी	न	खा	न	■	फि	दा

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7654

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7653 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 8869

बाएँ से दाएँ

1.तन,शरीर-3
3.चकोर,चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6.झगड़ा,द्वेष-3
7.मोटा आटा-2
8.खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9.असली,शुद्ध-3
10.यंत्रशाला-4
12.कार्यविधि-3
14.चिंगारी-3
16.एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20.सम्मान-2
21.प्राण,जीवन तत्व-2
22.कुशल,होनहार-3
24.राशिचक्र की एक राशि-3
25.प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे

2.अवलोकन,दरस-3
3.चलने का ढंग-2
4.तलघर-4
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.जलजला-3
7.रसीला,रस से भरपूर-4
8.बल,जोर,दम-3
10.चाचा,अंकल-2
11.शौहर,पति-3
13.'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14.वहम,संदेह-3
15.राजा,सम्राट-3
16.उपद्रवी,आतंकी-4
17.गिरवी रखी वस्तु-3
20.बैठने की जगह-3
21.शराब का प्याला-2
23.रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8868 का हल

■	अ	जा	न	■	स	ली	का	■
दा	दा	■	सी	■	ह	■	या	द
मि	■	■	ब	र	सा	त	■	म
नी	र	व	■	थ	■	र	ह	न
■	■	ज	रा	■	सा	की	■	■
सु	ल	ह	■	दां	■	ब	हा	व
दा	■	■	सा	व	न	■	■	ज
मा	ता	■	ह	■	य	■	का	न
■	त	म	स	■	न	क	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सड़क किनारे पशु बांधे तो होगी कार्रवाई, पंचायतों को जारी हुआ आदेश

जनपद पंचायत लांजी ने सरपंच-सचिवों को दिए निर्देश, पशुपालकों को समझाइश के बाद भी नहीं माने तो भेजें कार्रवाई की सूचना

पद्मेश न्यूज। लांजी। सड़क किनारे पशुओं को बांधने और खुले में पशुओं के कारण राहगीरों की परेशानी बढ़ने के मामले में अब जनपद पंचायत लांजी ने सख्ती दिखाई है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने 3 अक्टूबर को सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देश जारी कर सड़क किनारे पालतू पशु नहीं बांधने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देश का पालन नहीं होने पर संबंधित पशुपालक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों से कई पशुपालकों द्वारा अपने पशुओं को मुख्य सड़क, गलियों और सार्वजनिक मार्गों पर बांधा जा रहा है। इससे आवागमन बाधित होने के साथ ही आने-जाने वाले वाहनों से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। सड़क पर गंदगी और पशुओं के कारण बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी रहती है। इसके अलावा ग्रामीणों और अन्य राहगीरों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है।

पंचायत स्तर पर मुनादी कराकर समझाइश देने के निर्देश

जनपद पंचायत ने सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया है कि सड़क किनारे पशु बांधने वाले पशुपालकों को मुनादी के माध्यम से समझाइश दी जाए। पशुपालकों को अपने पशुओं को सड़क से दूर उचित स्थान पर रखने की व्यवस्था करने के लिए कहा जाए। इसके बावजूद यदि कोई पशुपालक निर्देशों की अनदेखी करता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए

इसकी सूचना जनपद पंचायत कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अब देखना होगा कि पंचायत स्तर पर जारी निर्देशों का कितना प्रभावी पालन कराया जाता है और सड़क किनारे पशु बांधने की समस्या पर कितनी सख्ती दिखाई जाती है।

NMMS परीक्षा में 369 में से 367 परीक्षार्थी हुए शामिल

उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई चयन परीक्षा

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 2026-27 का आयोजन रविवार, 4 अक्टूबर को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। परीक्षा केंद्र पर कुल 369 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 367 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की, जबकि 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान केंद्र पर शांति व्यवस्था बनी रही तथा नकल का कोई प्रकरण सामने नहीं आया। NMMS परीक्षा में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 8वीं के पात्र विद्यार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी शिक्षा को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे को केंद्राध्यक्ष तथा हायर सेकेंडरी मनेरी के प्राचार्य आर.एस. घोरमारे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। परीक्षा व्यवस्था के तहत 17 कक्ष निरीक्षकों के साथ 2 लिपिक एवं 4 भृत्यों की ड्यूटी लगाई गई थी। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने निर्धारित दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए परीक्षा को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग दिया। NMMS चयन परीक्षा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर मानी जाती है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक की

पढ़ाई जारी रखने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार पात्र चयनित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। इससे विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही उन्हें उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन, मानसिक योग्यता एवं शैक्षणिक समझ का आकलन किया जाता है। लांजी केंद्र पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने से विद्यार्थियों, अभिभावकों और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में आंगन मिलन सेवा संकल्प के साथ मनाई गांधी जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में आंगन मिलन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विविध गतिविधियों के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले की अध्यक्षता एवं पार्षद श्रीमती तेजेश्वरी गोदूले के मुख्य आतिथ्य तथा श्रीमती रीता अग्रवाल के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र के लिए महात्मा गांधी का चित्र भेंट किया गया। अतिथियों ने गांधीजी के जीवन, सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को याद करते हुए बच्चों एवं महिलाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। आंगन मिलन सेवा संकल्प के तहत बच्चों और महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़ और बोरा दौड़ प्रमुख रहीं। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एकल नृत्य में रानी कामरी एवं युक्ति बढ़मे ने प्रस्तुति दी, जबकि समूह नृत्य में वेदिका बड़मे, राशि कामरी, दक्ष भावे एवं जियोन्श सोनवाने ने सहभागिता की। गीत-कहानी प्रस्तुति में युवांश चोरवाड़े एवं रिहान तरारी ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम के दौरान शासन की महिला एवं बाल हितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत श्रीमती कौतिका बड़मे तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत कु. मिताली बोरकर का उल्लेख किया गया। उपस्थित अतिथियों ने योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कलावती बड़मे सहित श्रीमती जागृति श्रीवास, एकादशी मस्के, सहायिका पार्वती भंडारकर एवं सुनीता गोदुले सहित आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़े बच्चे, महिलाएं एवं अन्य उपस्थित रहे। आयोजन में बच्चों और महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह-वन्यजीव अपराधों की रोकथाम और विवेचना का दिया प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के तहत 4 अक्टूबर को नीलामी कक्ष लांजी में वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में वन्यजीव अपराधों की पहचान, अपराध स्थल से साक्ष्य जुटाने, विवेचना और न्यायालयीन कार्रवाई की प्रक्रिया की जानकारी वन अमले को दी गई। कार्यशाला मुख्य वन संरक्षक बालाघाट वनवृत्त गौरव चौधरी के मार्गदर्शन, दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन मंडलाधिकारी नित्यानंदम एल. के निर्देशन तथा लांजी सामान्य के उपवन मंडलाधिकारी अरविंद केन के मार्गदर्शन में हुई। इसमें पूर्व लांजी, पश्चिम लांजी और किरनापुर वन परिक्षेत्र के वनकर्मियों के साथ त्वरित प्रतिक्रिया दल के सदस्यों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण में वन्यजीव अपराधों के प्रकार, अपराध करने के तरीके और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रमुख कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। अपराध होने पर निर्धारित मानक प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई, अपराध स्थल से साक्ष्यों का संकलन एवं संरक्षण, आवश्यक अभिलेख तैयार करने और न्यायालयीन कार्रवाई के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को भी समझाया गया। अपराध स्थल का वैज्ञानिक

परीक्षण और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षक के रूप में केंद्रीय भारत वन्यजीव संरक्षण संस्था के निदेशक नितिन देसाई ने वन्यजीव अपराधों की पहचान, अपराध स्थल प्रबंधन, साक्ष्य संकलन और विवेचना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की लघु पुस्तिका भी वितरित की गई।

स्कूलों में बच्चों को बताया वन्यजीव संरक्षण का महत्व

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के तहत सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार ने विद्यार्थियों को वन्यजीवों के संरक्षण, जंगल और वन्य प्राणियों की भूमिका तथा उनके प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में समितियों के माध्यम से वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण में विभाग के साथ ग्रामीणों और विद्यार्थियों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है।

स्वप्निल भालाधरे बने सहायक प्राध्यापक

खेती-मजदूरी कर माता-पिता ने पढ़ाया, बेटे ने गणित में सहायक प्राध्यापक बन रचा सफलता का इतिहास

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम सहेकी निवासी पितम भालाधरे और सरोज भालाधरे के बेटे स्वप्निल भालाधरे ने गणित विषय में सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होकर लांजी क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले स्वपनील ने सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन के दम पर उच्च शिक्षा हासिल की और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है, जो विपरीत परिस्थितियों के कारण अपने सपनों को लेकर असमंजस में रहते हैं। स्वप्निल की प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कालीमाटी और लांजी के सरस्वती शिशु मंदिर से पढ़ाई पूरी की। आगे दिल्ली विश्वविद्यालय से गणित विषय में बीएससी ऑनर्स किया। कोरोना संक्रमण के दौर में उन्हें वापस क्षेत्र में लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने लक्ष्मीकांता कॉलेज से एमएससी की पढ़ाई पूरी की। बीएड की शिक्षा एनआरआई कॉलेज भोपाल से हासिल करने के बाद उन्होंने एलएनसीटी में अध्यापन कार्य शुरू किया। स्वप्निल ने वर्ष 2025 में सेट और नेट-जेआरएफ दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। वर्ष

2026 में गेट परीक्षा भी पास की और वर्तमान में एनआईटी से पीएचडी कर रहे हैं। अब उनका लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा उत्तीर्ण करना है, जिसकी तैयारी में वे लगातार जुटे हुए हैं।

माता-पिता का संघर्ष बना सफलता की नींव

स्वप्निल ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा योगदान उनके माता-पिता का है। पिता पितम भालाधरे और मां सरोज भालाधरे ने खेती और मजदूरी कर बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाया। मां पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्ता थीं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियां कठिन होने पर उन्होंने नौकरी छोड़कर मजदूरी शुरू कर दी। पिता के साथ उन्होंने बड़े शहरों में भी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण किया। आर्थिक संकट के बावजूद माता-पिता ने बच्चों की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी और हमेशा पढ़ाई को प्राथमिकता दी। स्वप्निल का छोटा भाई भी भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। स्वप्निल का कहना है कि गणित से डरने की जरूरत नहीं है। इसे कठिन विषय मानने के बजाय समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सहायक प्राध्यापक बनने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों से कहा कि बीएससी और एमएससी के पाठ्यक्रम को मजबूत तरीके से तैयार करें। विषय की मूल अवधारणाओं को समझकर निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता हासिल की जा सकती है।

सेवा सेतु शिविर में 75 हितग्राहियों का पंजीयन, 14 आवेदनों का मौके पर निराकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद परिसर में रविवार को सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार एवं जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत शिविर आयोजित किया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने एवं नायब तहसीलदार रमेश मरावी के निर्देशन में आयोजित शिविर में नगर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए। शिविर में कुल 75 हितग्राहियों का सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन किया गया। इनमें प्राप्त 14 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण करते हुए संबंधित हितग्राहियों को लाभ दिया गया। विभागवार प्राप्त आवेदनों में राजस्व विभाग के 43, श्रम विभाग के 18, नगर परिषद के 7, महिला एवं बाल विकास विभाग के 3, सामाजिक न्याय विभाग के 3 तथा खाद्य विभाग का 1 आवेदन शामिल रहा। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, पार्षद एवं सभापति किशोर रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे एवं कस्तुरा वाकडे सहित

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

एक छत के नीचे मिले कई विभाग

शिविर में राजस्व, औद्योगिक प्रशिक्षण, खाद्य, लोक स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, ऊर्जा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा सहकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी हितग्राहियों के आवेदन दर्ज कर उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों ने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

सेवा सेतु अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय में जागरूकता शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में शनिवार को सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार एवं गांव की बेटी योजना-सेवा की कहानी के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई।शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों और आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय लांजी में 3 अक्टूबर को 卐सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार卐 एवं 卐गांव की बेटी योजना卐 के अंतर्गत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित शिविर में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में विद्यार्थियों को योजनाओं की पात्रता, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और मिलने वाले लाभ के संबंध में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं की जानकारी भी ली गई। दस्तावेजों में त्रुटि, आवेदन प्रक्रिया तथा ओटीपी से जुड़ी परेशानियों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। जरूरत पड़ने पर संबंधित विभाग से संपर्क करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। सेवा की कहानी के तहत विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता ने उच्च शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग किया है। इससे अन्य विद्यार्थियों को भी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कुल 55 विद्यार्थी उपस्थित हुए और सभी 55 विद्यार्थियों ने शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। वहीं, 10 विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को योजनाओं की जानकारी के साथ आवेदन और समस्या-निराकरण की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मांडोदेवी में गूंजेगा माता का जयकारा

नवरात्रि की तैयारियां अंतिम चरण में, घटस्थापना में होंगी 2100 महाज्योत प्रज्वलित

रवि ठकरानी।
पदमेश न्यूज। गोंदिया।

शारदीय नवरात्रि को लेकर सूर्यादेव मांडोदेवी देवस्थान, बघेड़ा/तेढ़ा तहसील आमगांव में तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 11 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहे नवरात्रि उत्सव की तैयारियों को लेकर शनिवार, 3 अक्टूबर को देवस्थान संस्था के अध्यक्ष एवं गोंदिया विधायक विनोद अग्रवाल ने संस्था पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं, महाप्रसाद, घटस्थापना, यातायात व्यवस्था, ज्योति कलश, पेयजल आपूर्ति तथा बिजली व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। विधायक विनोद अग्रवाल ने सभी व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण एवं सुचारू रूप से करने पर जोर देते हुए नवरात्रि उत्सव को भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया। नवरात्रि के दौरान मांडोदेवी देवस्थान में होने वाली घटस्थापना विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है। इस वर्ष घटस्थापना के अवसर पर करीब 2100 महाज्योत की व्यवस्था रखी गई है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा यहां ज्योत प्रज्वलित की जाती है, जिसके चलते नवरात्रि के दौरान देवस्थान परिसर श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण से जगमगा उठता है। महाज्योत की व्यवस्था को लेकर भी संस्था द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गोंदिया जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर प्राकृतिक वनसंपदा के

बीच पहाड़ियों की चोटी पर स्वयंभू मां मांडोदेवी देवस्थान मध्य विदर्भ का धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है। यहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। विशेष रूप से चैत्र नवरात्रि एवं शारदीय नवरात्रि के दौरान गोंदिया जिले के साथ ही भंडारा, गडचिरोली, चंद्रपुर तथा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां मांडोदेवी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु माता के समक्ष शीश झुकाकर अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। मांडोदेवी देवस्थान तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं। वर्तमान में कोहमारा-गोंदिया मार्ग पर गोरेगांव के पूर्व मुंडिपार से सीधे मांडोदेवी देवस्थान तक पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा आमगांव तथा देवरी की ओर से भी मांडोदेवी के लिए सीधे पहुंच मार्ग उपलब्ध हैं। नवरात्रि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इन मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर भी बैठक में विशेष ध्यान दिया गया।

मांडोदेवी देवस्थान की एक विशेष पहचान सर्वजातीय सामूहिक विवाह की पहल से भी जुड़ी हुई है। देवस्थान परिसर से सर्वजातीय सामूहिक विवाह की शुरुआत किए जाने के चलते यह धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता के केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। गोरेगांव सहित आसपास के क्षेत्रों से देवस्थान की निकटता होने के कारण वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। शारदीय नवरात्रि में संभावित भीड़ को देखते हुए देवस्थान संस्था द्वारा दर्शन व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, महाज्योत व्यवस्था तथा महाप्रसाद सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को व्यवस्थित करने की तैयारी की जा रही है। बैठक में श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने पर जोर दिया गया। संस्था का प्रयास है कि शारदीय नवरात्रि उत्सव के दौरान मांडोदेवी पहुंचने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम दर्शन, आवश्यक सुविधाएं और भक्तिमय वातावरण उपलब्ध हो तथा पूरा नवरात्रि उत्सव व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। बैठक में संस्था अध्यक्ष एवं विधायक विनोद अग्रवाल के साथ सचिव डॉ. लक्ष्मण भगत, उपाध्यक्ष भैयालाल सिंदराम, कोषाध्यक्ष विश्वनाथ असाटी, सहसचिव कुशनजी घासले, सदस्य डॉ. जितेंद्र मेंढे, शालिकराम उईके, सखाराम सिंदराम, दिलीप खंडेलवाल, राहुल अग्रवाल, नंदकिशोर गौतम, श्याम ब्राह्मणकर, छन्नू काठेवार तथा मंदिर के पुजारी पंडित अयोध्यादास जी महाराज उपस्थित थे।

8 अक्टूबर को शुरू होगा सौंदड़ फ्लाईओवर

सांसद डा. पडोले ने किया निरीक्षण : NHAI अधिकारियों का आश्वासन

पदमेश न्यूज। गोंदिया। भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद डा. प्रशांत पडोले ने सौंदड़ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के फ्लाईओवर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया. उन्होंने शेष कार्य तत्काल पूरा कर 8 अक्टूबर को फ्लाईओवर यातायात के लिए शुरू करने के स्पष्ट निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए. इस दौरान NHAI अधिकारियों ने निर्धारित तारीख पर पुल शुरू करने का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर जिजकार तथा साइट इंचार्ज चापले उपस्थित थे. सांसद पडोले ने पूरे फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए लंबित कार्यों, नाली निर्माण तथा अन्य अधूरे कार्यों की जानकारी ली. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं. सांसद पडोले ने कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के कारण सौंदड़ के नागरिकों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए. यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर के दोनों ओर नए बस स्टॉप शेड बनाने की मांग भी की गई. इस पर संबंधित अधिकारियों ने जल्द ही दोनों ओर बस स्टॉप की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया. निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं तथा स्थानीय नागरिकों की समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत कराया गया. NHAI अधिकारियों ने सकारात्मक कार्रवाई करते हुए शेष कार्य पूरा करने और 8 अक्टूबर को फ्लाईओवर शुरू करने में कोई बाधा नहीं आने देने का भरोसा दिलाया. इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष मधुसूदन दोनोडे, जिला बैंक सदस्य गंगाधर परशुरामकर, रोशन बडोले, दामोदर नेवारे, पूर्व सरपंच गायत्री, ग्राम पंचायत सदस्य समाधान बडोले, अनिल मेश्राम, नंदकिशोर डोंगरवार, शिवचरण शहारे, सुंदर गांव की पुलिस पाटिल निंबेकर मैडम, राजाभाऊ गुबुले, भरत पंधरे, किशोर शेंडे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

नागपुर-बिलासपुर मार्ग पर लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर-बिलासपुर रेल मार्ग पर लोकल ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी ने आम यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है. यात्रियों के अनुसार, अधिकांश लोकल ट्रेनें निर्धारित समय से 2-3 घंटे देरी से चल रही हैं।

इससे रोजाना सफर करने वाले नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों को परेशानी हो रही है. यात्रियों का कहना है कि ट्रेन के भरोसे घर से निकलने के बाद समय पर गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो गया है. स्टेशनों पर ट्रेन के इंतजार में यात्रियों के घंटों बर्बाद हो रहे हैं. नौकरीपेशा लोगों को कार्यालय पहुंचने में देरी हो रही है, जबकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा संबंधी समय सारिणी भी प्रभावित हो रही है. व्यापारियों और छोटे कारोबारियों के लिए भी समय की यह अनिश्चितता परेशानी का कारण बन रही है. समस्या सिर्फ लोकल ट्रेनों तक सीमित नहीं है. यात्रियों के अनुसार, इस मार्ग पर चलने वाली कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन में भी देरी हो रही है. लगातार देरी के कारण यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है. यात्रियों का कहना है कि रेलवे पर रोजाना निर्भर रहने

वाले लोगों के लिए समय पर ट्रेन मिलना बेहद जरुरी है. लंबे समय से बनी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

978 किसानों का 5.89 करोड़ का कर्ज माफ

कर्जमाफी की तीसरी सूची जारी-अब तक 16,950 किसानों को मिला लाभ

पदमेश न्यूज। गोंदिया। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना के तहत कर्जमाफी की तीसरी सूची शनिवार को जारी की गई. इसमें जिले के 978 किसानों का समावेश है. इन किसानों का कुल 5 करोड़ 89 लाख रु. का कर्ज माफ किया गया है।

कर्जमाफी के लिए जिले के कुल 20,915 किसान पात्र पाए गए हैं. इनमें से अब तक 16,950 किसानों को कर्जमुक्ति योजना का लाभ मिल चुका है. सरकार ने योजना के तहत किसानों का दो लाख रु. तक का कर्ज माफ करने की घोषणा की है. साथ ही नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रु. का प्रोत्साहन अनुदान देने का प्रावधान है. योजना की पहली सूची में जिले के 11,617 किसानों का 68 करोड़ 22 लाख रु. का कर्ज माफ किया गया था. इसके बाद दूसरी सूची में 4,355 किसानों का 24 करोड़ 60 लाख रु. का कर्ज माफ हुआ. तीसरी सूची में 978 किसानों को

5.89 करोड़ रु. की कर्जमाफी मिली. इस प्रकार अब तक 16,950 किसानों के कुल 98 करोड़ 70 लाख रु. का कर्ज माफ किया जा चुका है. जिला उपनिबंधक योगेश बाकरे ने बताया कि कर्जमाफी की अभी दो-तीन और सूचियां जारी होना बाकी हैं. इनमें शेष पात्र किसानों को शामिल किया जाएगा।

3,999 किसान अभी भी प्रतीक्षा में

जिले में कर्जमाफी के लिए पात्र 20,915 किसानों में से 16,950 किसानों को अब तक लाभ मिल चुका है, जबकि 3,999 किसान अभी भी कर्जमाफी का इंतजार कर रहे हैं. तीसरी सूची में भी नाम नहीं आने के कारण इन किसानों को अगली सूची का इंतजार करना होगा।

चौथी सूची जल्द आने की संभावना

संबंधित विभाग के अधिकारियों के अनुसार योजना की चौथी सूची अगले 8 से 10 दिनों में जारी होने की संभावना है. इसमें शेष पात्र किसानों के नाम शामिल किए जाएंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में अनियमितताओं की जांच आज

पदमेश न्यूज। गोंदिया। जिले के नवेगांवबांध स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर उठ रहे सवालों के बीच जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है. अभिभावकों और विद्यार्थियों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधीश मंदार पत्की ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है. यह समिति सोमवार, 5 अक्टूबर को विद्यालय पहुंचकर विभिन्न शिकायतों की जांच करेगी. समिति में शिक्षाधिकारी पवन खंडारे, सुधीर महामुनी और कपसे शामिल हैं।

विद्यालय में शिक्षकों की कमी, भोजन की खराब गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव तथा बिजली और पानी की समस्याओं को लेकर अभिभावकों ने जिला प्रशासन से शिकायत की थी. इसके बाद उपविभागीय अधिकारी ज्योति कांबले और तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया. वहीं, विद्यार्थियों और अभिभावकों की समस्याओं को जानने के लिए सांसद डा. प्रशांत पडोले ने भी विद्यालय का दौरा किया. इस दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं और प्राचार्य उषा धारगावे के तत्काल तबादले की मांग करते हुए सांसद को ज्ञापन सौंपा. अभिभावकों के अनुसार, कक्षा 9वीं और 10वीं जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक स्तर पर भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विषयों के लिए पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं. इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है. इसके अलावा विद्यालय के भोजनालय में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं. बीमार विद्यार्थियों की देखभाल के लिए नियमित चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने और पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत भी की गई है।

बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव

विद्यालय में कपड़ों की धुलाई और इस्त्री, बाल कटवाने, सुरक्षित पेयजल तथा गर्म पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं से संबंधित ठेके लंबे समय से लंबित होने का आरोप अभिभावकों ने लगाया है. बिजली और पानी की अनियमित आपूर्ति से भी विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है. अभिभावकों ने प्राचार्य के कथित असहयोगात्मक और रूखे व्यवहार पर भी नाराजगी जताई है।

जांच रिपोर्ट पर टिकी अभिभावकों की निगाहें

जिलाधीश मंदार पत्की द्वारा गठित समिति सोमवार को विद्यालय का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर शिकायतों की वास्तविकता की पड़ताल करेगी. समिति के सदस्य पवन खंडारे ने भी विद्यालय का दौरा कर स्थिति का जायजा लेने की पुष्टि की है. इससे पहले 26 सितंबर को आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में ग्राम पंचायत सदस्य देवा कपगते, प्राचार्य उषा धारगावे, उपप्राचार्य डी.के. जुमडे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे. अब सभी की निगाहें जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं. अभिभावकों को उम्मीद है कि जांच केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार के साथ जिम्मेदारी भी तय की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

क्षतिग्रस्त नहर से खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी

सिवनी-गर्रा माइनर नहर में जगह-जगह टूट-फूट

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सिवनी से गर्रा की ओर जाने वाली माइनर नहर बारिश के कारण जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है. नहर के टूटे हिस्सों से सिंचाई का पानी खेतों तक पहुंचने के बजाय नाले में बहकर बर्बाद हो रहा है. इससे हजारों लीटर पानी व्यर्थ जा रहा है, जबकि दूसरी ओर किसान सिंचाई के लिए परेशान हैं। वर्तमान में बारिश का दौर थमने से खरीफ फसलों को सिंचाई की जरूरत बढ़ गई है. किसानों का कहना है कि नहर में पानी उपलब्ध होने के बावजूद क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है. इससे फसल पर संकट मंडराने लगा है और किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है. किसानों के अनुसार, नहर की स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों

को कई बार दी गई है, लेकिन अभी तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ है. ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते नहर की मरम्मत नहीं की गई तो खड़ी फसल को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाएगा।

तत्काल मरम्मत की मांग

किसानों ने सिंचाई विभाग और प्रशासन से सिवनी-गर्रा के बीच क्षतिग्रस्त माइनर नहर का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कराने की मांग की है. नहर से बहकर बर्बाद हो रहे पानी को रोककर खेतों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने की भी मांग की गई है, ताकि खरीफ फसल को समय पर सिंचाई मिल सके।

6 माह बाद येरंडीदर्रे में पहुंची बस

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के दुर्गम व आदिवासी बहुल येरंडीदर्रे गांव में पिछले छह महीनों से बंद पड़ी एसटी बस सेवा आखिर शनिवार से पूर्ववत शुरू हो गई. सीमेंट सड़क के निर्माण के कारण बस सेवा बंद थी. इसके कारण छात्रों सहित ग्रामीणों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. बस सेवा शुरू करने के लिए ग्रामीणों व छात्रों ने विधायक राजकुमार बडोले के पास निवेदन के माध्यम से मांग की थी। छात्रों की शैक्षणिक हानि टालने के लिए वैकल्पिक मार्ग से बस शुरू करने की मांग की गई थी. इस मांग पर संज्ञान लेते हुए विधायक बडोले ने निर्माण विभाग तथा एसटी महामंडल, साकोली के साथ समन्वय साधा. उसके बाद छह महीने की प्रतीक्षा के बाद गांव में बस सेवा

शुरू की गई. बस न होने के कारण छात्रों को रोजाना लगभग चार किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था. बरसात में उन्हें भारी असुविधा हो रही थी. बस सेवा शुरू हो जाने से छात्रों सहित ग्रामीणों को राहत मिली है, और ग्रामीणों ने विधायक बडोले का आभार व्यक्त किया. इस समय कमल करेश मिरी, ताराचंद चितु भोगारे, मंगेश चितराम सोनवाने, नामदेव करेश मिरी, विष्णुदास उदाराम भोगारे, जितकुमार बिशेश्वर मिरी, खेमराज गुलाब मारगाये, रमेश मोगसु जुनाके, मुकेश सुधराम सोनवाने व सुनील सुदाम परतेकी उपस्थित थे।

अवैध रेत ले जा रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत ग्राम बोर से बेरडीपार मार्ग पर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ गंगाझरी पुलिस ने कार्रवाई की. पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 14 लाख 8 हजार रु. का माल जब्त किया है। पहले मामले में परसवाड़ा निवासी संतो बाबुराव कलव (27) ट्रैक्टर-ट्रॉली से रेत का परिवहन करते पाया गया. पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर की कीमत 6 लाख रु., ट्रॉली की कीमत 1.50 लाख रु. तथा करीब एक ब्रास रेत की कीमत 4 हजार रु. सहित कुल 7 लाख 54 हजार रु. का माल जब्त किया गया. दूसरे मामले में काचेवानी निवासी साहेंद्र महादेव चौधरी (38) स्वराज कंपनी के बिना नंबर वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली से रेत का परिवहन करते पाया गया. इस मामले में ट्रैक्टर की कीमत 5 लाख रु., ट्रॉली की कीमत 1.50 लाख रु. और करीब एक ब्रास रेत की कीमत 4 हजार रु. सहित कुल 6 लाख 54 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी सिपाही चितरंजनसिंह जनेवार व हवलदार श्रीकांत नागपुरे की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार भुरे कर रहे हैं।

कंपनी का मोबाइल-लैपटॉप लेकर कर्मचारी फरार

पदमेश न्यूज। गोंदिया। कंपनी की ओर से काम के लिए दिए गए मोबाइल और लैपटॉप को वापस नहीं लौटाने के आरोप में एक कर्मचारी के खिलाफ देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 42 हजार रु. बताई गई है। मयुरभंज जिले के जाराड़ा निवासी फिर्यादी हेमंतकुमार बशिष्ठ परीडा (51) की शिकायत के अनुसार, औरंगाबाद जिले के काला गणपति, भक्ति नगर सिड़को निवासी आरोपी आनंद विद्यसागर पालकर (41) को सुफलाम कंपनी की ओर से काम के लिए सैमसंग कंपनी का मोबाइल और एमएसआई कंपनी का लैपटॉप दिया गया था. कंपनी में उक्त मोबाइल और लैपटॉप नहीं मिलने पर आरोपी से पूछताछ की गई. इस दौरान उसने कंपनी का काम छोड़ने की बात कही. आरोप है कि उसने कंपनी को मोबाइल और लैपटॉप वापस नहीं किया तथा दोनों उपकरण अपने साथ ले गया. इससे कंपनी के साथ विश्वासघात किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई. चोरी गए सामान में 12 हजार रु. कीमत का मोबाइल, 30 हजार रु. कीमत का लैपटॉप शामिल है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक राठोड कर रहे हैं।

एशियाई खेलों के समापन समारोह में नीरू ने लहराया भारत का तिरंगा

आईची। जापान के आईची नागोया में 20वें एशियाई खेलों 2026 का रविवार को एक रंगारंग समारोह में समापन हुआ। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस समापन समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद शामिल देशों के एथलीटों की परेड हुई। स्वर्ण विजेता निशानेबाज नीरू ढांडा ने इस समारोह में भारतीय ध्वज तिरंगा लहराया। नीरू ने यहां 2 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 3 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। पारंपरिक तौर पर ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) का झंडा अगले 21वें संस्करण की मेजबानी करने वाले देश कतर (दोहा) को सौंप दिया गया। कतर को साल 2030 में इन खेलों की मेजबानी मिली है। दोहा दूसरी बार एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा, इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी।

जापान के आईची नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 का 4 अक्टूबर को भव्य समापन हो गया। 20वें संस्करण के समापन समारोह में नागोया सिटी के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में जापान के राष्ट्रगान के साथ शुरुआत हुई, जिसके बाद एथलीटों की परेड हुई। इस गौरवशाली पल में भारत की ध्वजवाहक शूटर नीरू ढांडा थीं, जिन्होंने शान से तिरंगा लहराया। नीरू ने इस संस्करण में 2 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 3 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीएक) का झंडा कतर को सौंप दिया गया, जो 2030 में दोहा में 21वें संस्करण की मेजबानी करेगा। दोहा दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी करेगा, इससे पहले उसने 2006 में भी मेजबानी की थी।

गौरतब है कि एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक हासिल कर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते। पदक तालिका में चीन 169 स्वर्ण सहित कुल 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। उसके बाद जापान ने 83 स्वर्ण और कुल 269 पदक जीते, जबकि दक्षिण कोरिया ने 39 स्वर्ण और कुल 150 पदक हासिल किए।

भारत के लिए इस संस्करण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक क्रिकेट में दोहरा स्वर्ण पदक जीत रही। भारतीय महिला टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद, श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पुरुष टीम ने भी चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने बताया कि जापान में बारिश और सीमित सुविधाओं के कारण अभ्यास सत्रों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला, लेकिन टीम ने मजबूत इरादा दिखाया।

लक्ष्मण ने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्वर्ण पदक खिलाड़ियों को भविष्य में लॉस एंजिल्स ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है, और उन्हें पूरा भरोसा है कि भारतीय एथलीट अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करेंगे।

होप बोले, धोनी से मिली सीख पर अमल करने से जीत मिली

चंडीगढ़। कप्तान शाई होप के शानदार शतक से वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 352 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। टीम की इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान होप की नाबाद 162 रनों की पारी की सबसे बड़ी भूमिका रही। वेस्टइंडीज के एकदिवसीय इतिहास की लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत हासिल करने के बाद होप ने कहा कि ये सफलता उनकी टीम को महेंद्र सिंह धोनी से मिली सीख के कारण मिली है। धोनी के साथ अपनी बातचीत साझा करते हुए होप ने कहा, मेरी महान खिलाड़ी धोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। वह मुझसे कह रहे थे कि आपके पास हमेशा जितना आप सोचते हैं उससे अधिक समय होता है। होप ने धोनी की सलाह को अपनी बल्लेबाजी में उतारा। उन्होंने बताया, बस अंतिम परिणाम पर अधिक ध्यान केंद्रित न करने का प्रयास कर रहा था। मैं सिर्फ प्रक्रिया को देख रहा था, जितना हो सके खेल को तोड़ने का प्रयास कर रहा था और अंत में चौके-छक्के प्राप्त करने के तरीके खोज रहा था।उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने भारतीय टीम के ओवरों में पीछे होने पर भी विचार किया था, जिससे उन्हें पता था कि अंत में उन्हें सर्कल में एक अतिरिक्त फील्डर रखना होगा। इस रणनीति का उपयोग करके उन्होंने महत्वपूर्ण बाउंड्री हासिल कीं, जिससे वेस्टइंडीज के लिए सब कुछ ठीक हो गया और वे एक यादगार जीत दर्ज करने में सफल रहे। होप ने वेस्टइंडीज के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि हमने टुकड़ों में कुछ बहुत अच्छी क्रिकेट खेली। बल्लेबाज कुछ रन बना रहे थे। हम पिछले दो-तीन सालों से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां बल्लेबाज अधिक सुसंगत रहे हैं। हालांकि, उन्होंने गेंदबाजी में कमी को स्वीकार किया। साथ ही कहा कि इन हालातों में गेंदबाजी करना हमेशा कठिन होता है। आपको अपने कौशल को सामने लाना होगा और गलती की संभावना कम रखनी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम गेंदबाजी में आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी।

शतक के बाद 92 रन, विश्वकप के पहले पुराने रंग में लौटे रोहित शर्मा

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला लगातार बड़ी पारियां खेल रहा है। गुवाहाटी में शतक जमाने के बाद मुल्लांपुर में उन्होंने 92 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई। हालांकि, शतक से महज आठ रन दूर आउट होने का मलाल उन्हें जरूर रहा होगा, लेकिन लगातार दूसरी बड़ी पारी ने वनडे क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को फिर चर्चा में ला दिया है। मुल्लांपुर की चुनौतीपूर्ण पिच पर भारतीय टीम ने शुरुआती झटके जल्दी गंवा दिए थे। शुभमन गिल और विराट कोहली महज चार-चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऐसे समय में रोहित ने रितुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने जोखिम कम लेते हुए तेजी से रन जुटाए और 137 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। रोहित ने 85 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और तीन छक्के लगाए। रोहित की मौजूदा सीरीज में बल्लेबाजी की खास बात केवल उनके निजी रन नहीं हैं, बल्कि साझेदार के साथ तालमेल बनाकर पारी को आगे बढ़ाना भी रहा है। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 32 रन

बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 12 ओवर में 76 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद गुवाहाटी में 405 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने 75 गेंदों में 101 रन की आक्रामक पारी खेली। इस मुकाबले में रोहित और गिल के बीच पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी हुई। मुल्लांपुर में गिल और कोहली के जल्दी आउट होने के बाद रोहित ने परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी का अंदाज बदला। उन्होंने रितुराज के साथ पहले पारी को संभाला और फिर रन गति बढ़ाई। 92 रन पर उनका विकेट गिरने से शतक जरूर छूट गया, लेकिन उनकी पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 39 वर्ष की उम्र में रोहित का लगातार बड़ी पारियां खेलना उनके वनडे करियर को लेकर जारी चर्चाओं के बीच महत्वपूर्ण है। हालांकि, भविष्य में टीम में उनकी जगह और अगले विश्व कप के लिए चयन जैसे फैसले चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के निर्णय पर निर्भर करेंगे। फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार दो बड़ी पारियों के साथ रोहित ने मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपनी दावेदारी जरूर मजबूत की है।

मोदी ने एशियई खेलों में रजत पदक विजेत अंतिम पंघाल और महिला गोल्फ टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेलों में रजत पदक विजेता महिला पहलवान अंतिम पंघाल के साथ ही रजत जीतने वाली महिला गोल्फ टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने प्रधानमंती की ओर से दिय संदेश में अंतिम पंघाल को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा, एशियाई खेलों में पंघाल का रजत पदक बहुत अच्छा था। महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल रेसलिंग इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के लिए उन्हें बधाई। उम्मीद है कि वह आगे भी इसी प्रकार देश का नाम रोशन कर दूसरे एथलीटों को प्रेरित करेंगी। इसके अलावा महिला टीम गोल्फ इवेंट में रजत जीतने वाली खिलाड़ियों अदिति अशोक, प्रणवी शरथ उर्स और दीक्षा डागर को भी प्रधानमंत्री की तरफ से बधाई देते हुए लिखा, महिला टीम गोल्फ इवेंट में रजज विजेता अदिति, प्रणवी और दीक्षा को बधाई। यह सफलता खेल के लिए उनके पक्के इरादे और जुनून को दिखाती है। उम्मीद है कि वे आने वाले समय में इसी प्रकार सफलता हासिल करती रहेंगी। गौरतब है कि इस बार एशियाई खेलों में भारतीय दल का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। आर्चरी, निशानेबाजी, क्रिकेट, हॉकी, मुक्केबाजी, गोल्फ, कुश्ती, एथलेटिक्स में भारतीय दल को सफलता मिली पर बैडमिंटन, वॉलीबॉल जैसे कई अहम खेलों में हमें निराशा हाथ लगी।

बुमराह और शिवम को हमेशा टी20 फाइनल में मिली है जीत

नगोया। भारतीय क्रिकेट टीम की एशियाई खेलों में पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों में खिताबी जीत से एक बार फिर साबित हुआ है कि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे जिस भी भारतीय टी20 टीम में रहे हैं वह हमेशा ही फाइनल जीती है। फिरी चाहे वह भारत के लिए हो, आईपीएल में हो या घरेलू क्रिकेट में, इनका फाइनल में जीत का रिकॉर्ड 100 फीसदी रहा है। यह एक ऐसा हैरान कर देने वाला आंकड़ा है जिसकी भी टीम इंडिया की पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत में अहम भूमिका रही है। यह रिकॉर्ड और भी असाधारण इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि रोहित शर्मा जैसे दिग्गज कप्तान जिन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया। उन्हें भी अपने करियर में एक बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में बुमराह और शिवम का ये रिकॉर्ड उनकी मानसिक दृढ़ता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है। टी20 फाइनल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में हिटमैन रोहित शर्मा शीर्ष पर हैं। उन्होंने अपने टी20 करियर में 12 फाइनल खेले हैं, जिनमें से 11 में जीत हासिल की और केवल एक बार 2014 टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं बुमराह ने अपने टी20 करियर का नौवां फाइनल जीतकर महेंद्र सिंह धोनी, हार्दिक पांड्या और अंबाती रायडू जैसे दिग्गजों की बराबरी कर ली है। इन तीनों खिलाड़ियों ने भी नौ-नौ फाइनल जीते हैं, हालांकि उन्होंने अपने करियर में कुछ फाइनल गंवाए भी हैं। बुमराह का अजेय रिकॉर्ड उन्हें सबसे अलग बनाता है। इसी तरह, शिवम दुबे ने भी अपने करियर का सातवां फाइनल जीता है और रवींद्र जडेजा की बराबरी की है। जडेजा ने अपने 12 टी20 फाइनल में से 7 जीते हैं, जबकि दुबे का जीत का प्रतिशत 100फीसदी रहा है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा 16 टी20 फाइनल खेलने का रिकॉर्ड है, लेकिन उन्हें 7 बार हार का सामना भी करना पड़ा है। इन आंकड़ों को देखें तो रोहित शर्मा 12 में से 11 जीत के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि बुमराह 9 में से 9 जीत के साथ एक अनूठी उपलब्धि हासिल किए हुए हैं। हार्दिक पांड्या और अंबाती रायडू ने भी 11 में से 9 फाइनल जीते हैं, वहीं धोनी ने 16 में से 9 फाइनल अपने नाम किए हैं। सूर्यकुमार यादव ने 9 में से 8, सुरेश रैना ने 14 में से 8, और रवींद्र जडेजा ने 12 में से 7 फाइनल जीते हैं।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद- 2027 विश्व कप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप, जिसे दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ मिलकर होस्ट करेगा, देश के क्रिकेटरों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया था। दक्षिण

अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक 50 ओवर के इस मेगा इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। डिविलियर्स ने एक विशेष चैट में बताया, 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। मुझे याद है कि यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक में एडम गिलक्रिस्ट ने मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया था। तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 2027 वर्ल्ड कप का भी दक्षिण अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं। डिविलियर्स ने इस आयोजन के आर्थिक लाभों और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर भी जोर दिया, साथ ही उम्मीद जताई कि प्रोटियाज टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी, क्योंकि 2003 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था।

वर्तमान दक्षिण अफ्रीकी टीम को मजबूत बताते हुए डिविलियर्स ने कहा कि टीम में अच्छी केमिस्ट्री, एक शानदार कल्चर और कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैच जिता सकते हैं। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार छठी वनडे सीरीज जीत का भी हवाला दिया। हालांकि, उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के बारे में कहा कि ज्यादातर लोग अभी भी दुनिया भर में काफी अनजान हैं। दो बार के चैंपियन भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए, डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की भूमिका पर जोर दिया, जिसने टैलेंट की एक बेजोड़ पाइपलाइन बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी विभागों में अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ खेलने की क्षमता है, जिसमें कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे मजबूत स्पिनर और लगभग 10 बल्लेबाज शामिल हैं, जो सभी मैच विनर हैं। डिविलियर्स ने इसे भारतीय चयनकर्ताओं के लिए एक मुश्किल काम बताया।

भारत के उभरते हुए खिलाड़ियों में, युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बेखौफ हिटिंग से सबका ध्यान खींचा है। डिविलियर्स ने सूर्यवंशी के स्ट्रोकप्ले की तारीफ की और उनसे सभी फॉर्मेट और कंडीशंस में खेलने के लिए लगातार अपने गेम पर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब वह इंग्लैंड टूर पर गया तो उसे थोड़ा समझ आया, और उसे एहसास हुआ कि यह हमेशा इतना आसान नहीं होता। डिविलियर्स ने उम्मीद जताई कि सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट भी खेलेंगे, क्योंकि उनके पास दुनिया का सारा टैलेंट है और वह अभी भी बहुत युवा हैं।

राहुल का शतक गया बेकार, अनचाहा रिकॉर्ड भी बना

चंडीगढ़। भारतीय टीम की ओर से केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतकीय पारी खेली भी फिर भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में राहुल ने 129 रनों की शतकीय पारी खेली थी जो भारतीय टीम की हार के कारण बेकार चली गयी। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल केवल 1 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रोहित शर्मा और रुतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी की। हालांकि, 160 के स्कोर तक ये दोनों बल्लेबाज भी आउट हो चुके थे। ऐसे मुश्किल समय में नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने 87 गेंदों पर 10 चौकों और 9 छक्कों की सहयता से नाबाद 129 रनों की पारी खेलकर टीम इंडिया को 351 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। राहुल के इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पाई। वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के शानदार नाबाद शतक 162 रनों की सहायता से मेहमान टीम ने ये लक्ष्य 48.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज के लिए यह एकदिवसीय क्रिकेट में सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत का सबसे बड़ा लक्ष्य था। इस मैच में भारतीय टीम की हार के साथ ही राहुल एक ऐसे अवांछित रिकॉर्ड में शामिल हो गए हैं, जिसमें भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं।

वैभव सूर्यवंशी- टाइम मैगजीन की 100 नेक्स्ट सूची में सबसे युवा भारतीय सितारा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 नेक्स्ट सूची में शामिल किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर भविष्य को आकार देने वाले 100 उभरते हुए सितारों को पहचानती है। महज 15 साल की उम्र में इस सूची में जगह बनाने वाले वैभव सबसे युवा व्यक्ति हैं और दुनियाभर से चुने गए केवल सात एथलीटों में इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय प्रदर्शन का प्रमाण है जिसने उन्हें इतनी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। टाइम मैगजीन की सीईओ जेसिका सिब्ले ने इस सूची के बारे में बताया कि इस साल के लिस्ट-निर्माता सीमाओं को पार कर रहे हैं, नई संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं और अपने क्षेत्रों तथा समुदायों को आगे बढ़ा रहे हैं। फेनोम श्रेणी में शामिल करते हुए टाइम ने वैभव सूर्यवंशी को तेजी से वैश्विक खेल के सबसे रोमांचक और ऊर्जावान चेहरों में से एक बताया है। उनकी निरंतर सफलता और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने उन्हें क्रिकेट जगत में एक चमकता सितारा बना दिया है।

वैभव की यह अद्भुत यात्रा 2024 में शुरू हुई

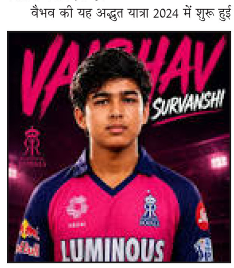

थी, जब उन्होंने सिर्फ 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में अपना पेशेवर क्रिकेट डेब्यू किया और प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीयों में से एक बन गए। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, आईपीएल 2025 सीज़न से पहले राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। अपने पहले ही आईपीएल सीज़न में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन किया, सात पारियों में कुल 252 रन बनाए, जिसमें गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में खेली गई तूफानी शतकीय पारी भी शामिल थी, जो उस समय आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। अपने दूसरे सीज़न में उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया, एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बटोरे और सीज़न में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में कुल 72 छक्के जड़े, जिससे उन्होंने टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के पिछले रिकॉर्ड को 20 छक्कों के अंतर से पीछे छोड़ दिया। उनकी इस शानदार फॉर्म का सिलसिला यहीं नहीं थमा। जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर वैभव ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया।

विश्व कप 2027 में हार्दिक पंड्या अहम, सौरव गांगुली ने बताया टीम संतुलन का बड़ा आधार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 2027 के वनडे विश्व कप को लेकर टीम इंडिया के संयोजन पर अहम बात कही है। गांगुली के मुताबिक ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे और उन्हें विश्व कप तक फिट व मैच के लिए तैयार रखना मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा टीम प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती होगी। आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार 2027 का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। हार्दिक पंड्या भारत की ओर से 2019 और 2023 वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। 2023 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में मुकाबले के दौरान उन्हें टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह आगे के टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। गांगुली का मानना है कि हार्दिक की मौजूदगी से भारत को बल्लेबाजी के साथ अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प भी मिलता है और दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में यह टीम संयोजन के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है।

गांगुली ने कहा कि हार्दिक के चोटिल होने की स्थिति में नितीश कुमार रेड्डी विकल्प हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें विश्व कप से पहले लगातार वनडे क्रिकेट खेलना होगा। उन्होंने रवींद्र जडेजा को भी एक विकल्प बताया। गांगुली के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में अक्टूबर के दौरान टीम को सीम गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में नियमित गेंदबाजी विकल्प सीमित हैं। ऐसे में पांचवें या छठे गेंदबाजी विकल्प के लिए टीम प्रबंधन को सही खिलाड़ी तलाशना होगा। 2027 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केपटाउन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। भारत 14 अक्टूबर को अफगानिस्तान, 17 अक्टूबर को क्वालिफायर ए और 24 अक्टूबर को जिम्बाब्वे से खेलेगा।

गांगुली ने भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबले से शुरुआत होने पर टीम को शुरुआत से ही मजबूत संयोजन के साथ उतरने का मौका मिलेगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को भी मौजूदा समय की मजबूत टीमों में शामिल बताया और वहां होने वाले विश्व कप में दर्शकों के उत्साह को लेकर सकारात्मक बात कही। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने भी खिलाड़ियों की फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन को महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार विश्व कप के लंबे अभियान में टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को सही समय पर आराम देना और निर्णायक चरण के लिए उनकी फिटनेस बनाए रखना जरूरी होगा। आईसीसी के मुताबिक टूर्नामेंट में 14 टीमें भाग लेंगी और ग्रुप चरण के बाद शीर्ष टीमों के बीच सुपर-7 चरण खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास-एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय बने

नगोया। भारतीय क्रिकेट टीम के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य बने है। इसी के साथ ही वैभव ने निशानेबाज सौरभ चौधरी के 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में बनाए गए सबसे कम उम्र में स्वर्ण जीतने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सौरभ ने तब 16 साल, 3 महीने और 9 दिन की उम्र में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 6 दिन की उम्र में उपलब्धि हासिल की है। पुरुष टी20 क्रिकेट फाइनल में भारतीय टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 211 रनों का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने केवल 9 गेंदों पर ही 15 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। भारतीय पारी को आगे बढ़ाते हुए अभिषेक ने केवल 28 गेंदों पर 61 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने सिर्फ 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर स्कोर को विशाल स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद पाक टीम हसन नवाज के 51 गेंदों पर 96 रनों की तेज पारी के बाद भी 192 रन ही बना सकी और भारतीय गेंदबाजों ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 19 रनों से मुकाबला जीतकर टीक को स्वर्ण जिताया। एशियाई खेलों में देश के लिए सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों की सूची में भी कुछ युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 7 दिन (लगभग) की उम्र में 2026 ऐची-नागोया एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता।

इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें बिकवाली और गिरते रूपए से प्रेशर में भारतीय बाजार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला सप्ताह आसान नहीं रहने वाला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका की 10 साल की ट्रेजरी यील्ड में तेजी, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर होते रुपये ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इसके साथ ही घरेलू कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। दलाल स्ट्रीट लगातार आठ सप्ताह की गिरावट के दौर से गुजर रही है। यह पिछले करीब 25 वर्षों में पहली बार हुआ है जब बाजार ने इतनी लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। कोविड-19 संकट और 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट जैसे दौर में भी ऐसी लगातार गिरावट देखने को नहीं मिली थी। वर्तमान हालात संकेत दे रहे हैं कि लगातार 9वें हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी रह सकता है।

भारतीय रुपया पहले ही दबाव में है। महंगे कच्चे तेल और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली ने मुद्रा बाजार में दबाव बढ़ाया है। रुपये की कमजोरी का असर आयात पर निर्भर कंपनियों की लागत पर पड़ता है। खासकर कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और दूसरे विदेशी इनपुट आयात करने वाली कंपनियों की लागत बढ़ सकती है। हालांकि कमजोर रुपया कुछ निर्यातकों के लिए फायदे का कारण भी बन सकता है। डॉलर में कमाई करने वाली ढ्ढञ्ज और कुछ निर्यात आधारित कंपनियों को रुपये की कमजोरी से अतिरिक्त आय मिल सकती है।

कच्चा तेल कीमत बढ़ी तो बाजार पर दोहरा दबाव

कच्चे तेल की कीमतें भारतीय बाजार के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई में संभावित बाधा ने

तेल की कीमतों को ऊपर रखा है। यूरोपीय नेताओं की ओर से तेल की कीमतें कम करने और अमेरिका से तेल आयात घटाने के लिए डीजल रिजर्व जारी करने जैसे कदमों का समर्थन किए जाने से कीमतों में कुछ नरमी जरूर आई है, लेकिन विश्लेषकों की चिंता अभी खत्म नहीं हुई है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक यदि मध्य-पूर्व में जहाजों पर हमले बढ़ते हैं और समुद्री सप्लाई गंभीर रूप से प्रभावित होती है तो कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। दूसरी ओर, यदि निर्यात सामान्य रहता है तो कीमतों के करीब 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर लौटने की उम्मीद है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगा कच्चा तेल कई स्तरों पर दबाव बढ़ाता है। इससे आयात बिल बढ़ता है, चालू खाते पर दबाव आता है और रुपये की कमजोरी बढ़ सकती है। कंपनियों की लागत बढने से मुनाफे पर भी असर पड़ता है।

विदेशी पैसा भारत से निकल रहा

अमेरिका की 10 साल की ट्रेजरी यील्ड बढ़कर करीब 5.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 2002 के बाद यह इसका सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है। अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढने का सीधा असर उभरते बाजारों पर पड़ सकता है। जब अमेरिका में अपेक्षाकृत सुरक्षित सरकारी बॉन्ड ज्यादा रिटर्न देने लगते हैं तो वैश्विक निवेशकों के लिए भारत जैसे उभरते बाजारों में पैसा लगाने का आकर्षण कम हो सकता है। इससे शेयर बाजार के साथ-साथ रुपये पर भी दबाव बढ़ता है। खासकर उन कंपनियों के लिए यह चुनौती है जो कच्चे तेल, मशीनरी या दूसरे विदेशी इनपुट पर निर्भर हैं।

विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली पहले ही बाजार के लिए चिंता का बड़ा कारण बन चुकी है। विदेशी निवेशका ने केवल छह ट्रेडिंग सेशन में करीब 43,879 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। पिछले तीन सत्रों में यह दबाव और तेज हुआ है। इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी निवेशकों का लॉन्ग-शॉर्ट रेशियो गिरकर करीब 0.81 पर आ गया है। यह उनके डेरिवेटिव पोजिशन में बढ़ती सावधानी और नकारात्मक रुख का संकेत माना जा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिकी 10 साल की बॉन्ड यील्ड के 5.2 प्रतिशत के आसपास रहने पर विदेशी निवेशका की बिकवाली पूरी तरह असामान्य नहीं है। हालांकि सिर्फ विदेशी बिकवाली से ही बाजार की दिशा तय नहीं होगी। घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी और कंपनियों के नतीजे भी अहम होंगे।

दूरदर्शी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास का निधन, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में छाया शोक

चेन्नई,। भारतीय सिनेमा जगत के दूरदर्शी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव का 94 साल की उम्र में शनिवार रात चेन्नई में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। परिवार के सूत्रों ने पुष्टि की कि शनिवार देर रात उनकी हालत बिगड़ी और उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। श्रीनिवास राव के निधन पर तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि आदित्य 369, पुष्पक विमानम, मयूरी जैसी फिल्में बनाने वाले सिंगीथम श्रीनिवास राव एक ऐसे फिल्ममेकर थे जो अपने समय से आगे की सोचते थे और उनकी फिल्में आज भी उतनी ही नई और प्रासंगिक हैं। श्रीनिवास राव को उनकी लीक से हटकर और अभिनव फिल्मों के लिए विशेष रूप से याद किया जाएगा। 1991 में आई उनकी फिल्म आदित्य 369 भारतीय सिनेमा की शुरुआती टाइम-ट्रैवल साइंस फिक्शन फिल्मों में से एक थी, जिसमें नंदमुरी बालकृष्ण और मोहिनी मुख्य भूमिका में थे। वहीं, 1987 की उनकी डार्क कॉमेडी पुष्पक विमाना पूरी तरह से डायलॉग-रहित थी और इसने राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई अवॉर्ड जीते। यह फिल्म कमल हासन के अभिनय के लिए भी सराही गई थी। इसके अलावा, क्लासिकल डांसर सुधा चंद्रन के जीवन पर आधारित उनकी बायोपिक मयूरी (1984) भी बेहद लोकप्रिय हुई थी। 21 सितंबर, 1931 को आंध्र प्रदेश के उदयगिरि, नेल्लोर में जन्मे सिंगीथम श्रीनिवास ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में करीब 60 फिल्में निर्देशित कीं। उन्होंने 1972 में तेलुगु कॉमेडी नीति नियति से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 94 साल की उम्र में भी उन्होंने हार नहीं मानी और उनकी आखिरी फिल्म सिंग गीथम इसी साल रिलीज हुई, जो नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। इसमें अहिल्या बमरू, अयान और मणि कृष्ण जैसे कलाकारों ने भूमिका निभाई है। अपने शानदार करियर में श्रीनिवास राव को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इनमें पुष्पक विमाना और दिक्कत्रा पार्वती के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कार, मयूरी, वृंदावनम और भैरव द्वीपम के लिए तीन नंदी पुरस्कार, साथ ही फिल्म हालू जेनू के लिए कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें 2011 में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया और 2021 में 19वें चेन्नई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी नवाजा गया था, जो भारतीय सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान का प्रमाण है।

आठ बार के विधायक श्याम सुंदर शर्मा कांग्रेस में शामिल

मथुरा। जिले की मांट विधानसभा सीट पर राजनीतिक सरगर्मियां अचानक तेज हो गई हैं। इस सीट से आठ बार विधायक रह चुके और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया, जिसके बाद मांट विधानसभा क्षेत्र में सियासी हलचल अपने चरम पर पहुंच गई है। माना जा रहा है कि कांग्रेस इस महत्वपूर्ण सीट पर श्याम सुंदर शर्मा को अपना उम्मीदवार बना सकती है, जिसने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से बदल दिया है। हालांकि, उनके इस कदम को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रवक्ता और जयंत चौधरी के करीबी नेता रोहित अग्रवाल ने तीखा तंज कसा है। रालोद नेता ने कांग्रेस और श्याम सुंदर शर्मा दोनों पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि समाजवादी पार्टी तो पहले से ही मांट सीट से अपने प्रत्याशी की घोषणा कर चुकी है। अग्रवाल ने श्याम सुंदर शर्मा को घेरते हुए यह सवाल किया है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही मथुरा की मांट सीट से अपने प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर चुके हैं, ऐसे में कांग्रेस में शामिल होने के बाद भी क्या उन्हें गठबंधन के भीतर यह सीट मिल पाएगी। यह सवाल उत्तर प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक गठबंधन की जटिलताओं को दर्शाता है।

रालोद नेता रोहित अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, कांग्रेस में शामिल होते ही आठ बार के विधायक श्याम सुंदर शर्मा बोले- अभी मैं जवान हूँ। जवान होना अच्छी बात है शर्मा जी, लेकिन मांट की सियासत में एक पेंच हैज् अखिलेश यादव तो संजय लाठर का टिकट पहले ही घोषित कर चुके हैं। अब सवाल सिर्फ इतना है— जवान कौन रहेगा और टिकट की दौड़ में कौन किनारे लगेगा? अग्रवाल का यह बयान सीधे तौर पर श्याम सुंदर शर्मा के राजनीतिक भविष्य और गठबंधन की सीटों के बंटवारे पर सवालिया निशान खड़ा करता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस और सपा के बीच इस सीट को लेकर क्या समीकरण बनते हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस में शामिल होने वाले श्याम सुंदर शर्मा मथुरा की मांट सीट से राजनीतिक रूप से एक बड़े नाम हैं और वह आठ बार विधायक रह चुके हैं, जो उनकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। उन्होंने पहली बार 1989 में कांग्रेस के ही टिकट पर मांट सीट से जीत हासिल की थी। तब से यह सीट उनका एक तरह से गढ़ मानी जाती है। अपने लंबे राजनीतिक करियर के दौरान उन्होंने कई बार पार्टियां भी बदलीं, लेकिन मांट की जनता ने उन पर अपना विश्वास बनाए रखा। इस सीट पर साल

2012 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी ने भी जीत दर्ज की थी, हालांकि उन्होंने सांसद रहते हुए यह चुनाव लड़ा था और बाद में सांसद की सीट को ही चुना। जयंत चौधरी के सीट छोड़ने के बाद हुए उपचुनाव में फिर से श्याम सुंदर शर्मा ही विजयी हुए थे, जिसने उनकी लोकप्रियता और मांट सीट पर उनकी पकड़ को एक बार फिर साबित किया था। अब उनके कांग्रेस में शामिल होने से मांट सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

डिजिटल दौर में पत्रकारिता की सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता-नरेंद्र सिंह तोमर

इंदौर। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दौर में खबर तेजी से पहुंच रही है, लेकिन इसी तेजी के बीच पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता बनाए रखना है। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में कहा कि तकनीक के साधन बदल सकते हैं, लेकिन पत्रकारिता को अपने मूल्यों, शुचिता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के दायित्व से नहीं भटकना चाहिए। तोमर ने कहा कि क्षेत्रीय और भाषाई पत्रकारिता जनमानस की वास्तविक आवाज है। स्थानीय भाषाओं में उठाए गए मुद्दे समाज से सीधे जुड़े होते हैं और उन्हें शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच निष्पक्ष और तथ्यपरक रिपोर्टिंग की जरूरत और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की जिम्मेदारी केवल सूचना पहुंचाना नहीं, बल्कि समाज के सामने सही तस्वीर रखना भी है। तकनीक पत्रकारिता को गति दे सकती है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तथ्य और निष्पक्षता से ही कायम रहती है। महोत्सव के दूसरे सत्र में तोमर ने देशभर से आए विभिन्न प्रेस क्लबों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया तथा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में उनके योगदान की सराहना की।

सिलावट बोले- युवाओं के हाथ होगी देश के विकास की कमान

महोत्सव के तीसरे दिन 'क्लास रूम के बाहर जेन-जी' विषय पर आयोजित सत्र में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि आने वाले समय में देश के विकास और प्रगति की कमान युवाओं के हाथ में होगी। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में है और युवा शक्ति

देश की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिलावट ने मालवा की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए राहुल बारपुते और राजेंद्र माथुर को याद किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी बुनियाद चौथा स्तंभ है और पत्रकार समाज की गलतियों को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम करते हैं।

जेन-जी ने शिक्षा के सामने रखी नई चुनौती

मंदसौर विश्वविद्यालय के शोध निर्देशक प्रो. डॉ. आर.के. जैन ने कहा कि जेन-जी इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया की पीढ़ी है। यह पुराने उदाहरणों से संतुष्ट नहीं होती और सवाल करती है। ऐसे में शिक्षकों को भी पढ़ाने के तरीके बदलने होंगे। उन्होंने कहा कि जेन-जी शिक्षक की केवल तारीफ नहीं करती, बल्कि यह भी बताती है कि क्या छूट गया। एआई का इस्तेमाल गलत नहीं है, लेकिन उसका सही और जिम्मेदार उपयोग समझना जरूरी है।

सोशल मीडिया दोधारी तलवार-राघवन

वुमंस प्रेस कॉर्प, नई दिल्ली की अध्यक्ष सुजाता राघवन ने कहा कि जेन-जी डिजिटल मीडिया के साथ पली-बढ़ी पीढ़ी है। उसकी तकनीकी समझ का इस्तेमाल पत्रकारिता के मूल उद्देश्य को पूरा करने में किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया को दोधारी तलवार बताते हुए कहा कि पत्रकारिता में सत्य और विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जा सकता। जिन लोगों की आवाज नहीं सुनी जाती, उनकी बात सामने लाना पत्रकारों की जिम्मेदारी है।

सोशल मीडिया पोस्ट से खुद खोल रहे साइबर अपराध का रास्ता

साइबर अपराध विशेषज्ञ एवं इंदौर पुलिस अधिकारी राजेश दंडोतिया ने कहा कि जेन-जी इंटरनेट और जेन-अल्फा एआई की पीढ़ी है। सोशल मीडिया पर निजी जानकारी और तस्वीरें साझा कर लोग कई बार खुद ही साइबर अपराधियों को सामग्री उपलब्ध करा देते हैं। उन्होंने कहा कि डीपफेक के लिए जरूरी सामग्री भी सोशल मीडिया पोस्ट से मिल जाती है। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। देरी होने पर रकम दूसरे माध्यमों से विदेश पहुंच सकती है और उसकी रिकवरी मुश्किल हो जाती है।

हर राज्य में जेन-जी के मुद्दे अलग

न्यूज18 की एंकर शिवांगी द्विवेदी ने कहा कि पूरे देश की जेन-जी को एक नजरिए से देखना उचित नहीं है। अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में युवाओं के मुद्दे अलग हैं। उन्होंने युवाओं से हर सूचना का फैक्ट चेक करने और खुद को लगातार अपडेट रखने की अपील की। वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सिन्हा ने कहा कि आने वाले वर्षों में जेन-जी देश के उपभोग और निवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने वित्तीय साक्षरता बढ़ाने पर जोर दिया।

क्या सच में राष्ट्रपति पेजेश्किયान ने छुए थे जगद्गुरु के पैर?

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और हिंदू धर्मगुरु जगद्गुरु स्वामी सतीशाचार्य महाराज से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ था, जिसने व्यापक चर्चा और विभिन्न दावों को जन्म दिया। इस मामले को लेकर एक खास इंटरव्यू में स्वामी सतीशाचार्य महाराज से सीधे सवाल पूछा गया कि आखिर वीडियो में क्या हुआ था और यह मामला इतना अधिक चर्चा में क्यों आया। इंटरव्यू के दौरान जब वायरल वीडियो के बारे में सवाल किया गया तो स्वामी सतीशाचार्य महाराज ने स्पष्ट किया कि वीडियो को लेकर जिस तरह की चर्चाएं हो रही हैं, असल मुद्दा उससे कहीं अलग और गहरा है। उन्होंने कहा कि हमें जेन-जी और उनके भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, न कि सतही विवादों पर। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों और तथ्य जांच के अनुसार, वीडियो में देखा गया था कि पेजेश्कियान जब नीचे झुककर एक पेन उठाने की कोशिश कर रहे थे, उसी दौरान स्वामी जी ने उन्हें हाथ पकड़कर उठाया था, जिसे कुछ लोगों ने राष्ट्रपति द्वारा पैर छूने का दावा कहकर सोशल मीडिया पर फैला दिया।

स्वामी सतीशाचार्य महाराज ने सोशल मीडिया पर इस घटना को अलग-अलग और भ्रामक दावों के साथ साझा किए जाने पर चिंता व्यक्त की। खास तौर पर राष्ट्रपति के पैर छूने से जुड़े दावे को लेकर काफी बहस हुई थी। इस पर स्वामी सतीशाचार्य महाराज ने सवाल उठाया कि चर्चा उन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए जो देश और समाज के लिए ज्यादा जरूरी और प्रासंगिक हैं, बजाय इसके कि किसी छोटी सी घटना को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि समाज को सही दिशा में ले जाने वाले विषयों पर संवाद होना चाहिए इंटरव्यू के दौरान स्वामी सतीशाचार्य महाराज ने भारत और ईरान के रिश्तों पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि भारत में गुरु परंपरा सदियों पुरानी है और यह देश सभी धर्मों और समुदायों को साथ लेकर चलने की भावना रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में अलग-अलग धर्मों के प्रति सम्मान और सहिष्णुता की एक समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि उन्हें ईरान में सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निमंत्रण मिला था, लेकिन कुछ कारणों से वह वहां जा नहीं सके। उनके मुताबिक, भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक और गहरे संबंध हैं, और दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक जुड़ाव भी रहा है, जो सदियों से कायम है। सनातन धर्म को लेकर पूछे गए एक महत्वपूर्ण सवाल पर स्वामी सतीशाचार्य महाराज ने कहा कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि सनातन का वास्तविक अर्थ क्या है। उन्होंने समझाया कि सनातन धर्म में सभी धर्मों और लोगों के प्रति सम्मान और स्वीकार्यता की भावना निहित है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा में हिंदू, यहूदी, ईसाई और इस्लाम सहित अलग-अलग धर्मों के प्रति गहरा सम्मान दर्शाया जाता है। उन्होंने सनातन को एक ऐसे जीवन दर्शन के रूप में वर्णित किया जो सद्भाव, सह-अस्तित्व और सभी धर्मों को साथ लेकर चलने वाली महान परंपरा का प्रतीक है, जो विविधता में एकता के भारतीय सिद्धांत को बल देता है।

आरबीआई क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सतर्क, नई तकनीकों के इस्तेमाल को दे रहा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि भारत क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सतर्क रुख अपनना रहा है, लेकिन इससे जुड़ी नई तकनीकों और उनके संभावित इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रणाली की मौजूदा मजबूती को भविष्य के जोखिमों से सुरक्षा की गारंटी नहीं माना जा सकता और नए तरह के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सम्मेलन में गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि भारत क्रिप्टो परिसंपत्तियों से जुड़ी डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी और टोकन व्यवस्था जैसी तकनीकों में नवाचार का समर्थन करता है। आरबीआई इन तकनीकों का इस्तेमाल केंद्रीय बैंक के अंदर और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के जरिए से भी कर रहा है। हालांकि, मौद्रिक संप्रभुता, मौद्रिक नीति और पूंजी प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण क्रिप्टोकरेंसी के प्रति सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में मुद्रा की एकरूपता और मौद्रिक नीति पर संभावित प्रभाव शामिल हैं। खासकर उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह अहम है, जहां पूंजी प्रवाह पर कुछ प्रतिबंध लागू हैं। मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू भुगतान के क्षेत्र में भारत ने काफी प्रगति की है और अब ज्यादा अहम चुनौती सीमा-पार भुगतान की है। इसके लिए केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा समेत दूसरे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि अगला वित्तीय संकट जरूरी नहीं कि किसी बैंक या वित्तीय क्षेत्र के भीतर से शुरू हो। वैश्विक घटनाएं, साइबर हमले या तकनीकी विफलताएं भी वित्तीय प्रणाली में जोखिम पैदा कर सकती हैं और इनके प्रभाव कई माध्यमों से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने वित्तीय नेटवर्क की परस्पर निर्भरता और संकट के फैलने के रास्तों को बेहतर ढंग से समझने के लिए ज्यादा विस्तृत आंकड़ों और मजबूत निगरानी व्यवस्था की जरूरत बताई। मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय मजबूती पूरे तंत्र में होनी चाहिए। इसके लिए बैंकों के साथ एनबीएफसी, वित्तीय बाजारों, भुगतान प्रणालियों, प्रौद्योगिकी ढांचा प्रदाताओं, महत्वपूर्ण तीसरे पक्षों और सीमा-पार वित्तीय नेटवर्कों की भी निगरानी और मजबूती जरूरी है। उन्होंने वैश्विक सार्वजनिक ऋण और बॉण्ड पर बढ़ती प्रतिफल दरों का भी उल्लेख किया। सीमित उपलब्ध धन के बीच बढ़ता खर्च बॉण्ड प्रतिफल और ऋण की स्थिति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति का मुख्य ध्यान घरेलू आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति पर रहता है, हालांकि वैश्विक ब्याज दरों का भारत की वास्तविक ब्याज दरों समेत अन्य आर्थिक परिस्थितियों पर भी असर पड़ता है।

यूपी देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य, 10 सालों में निर्यात दो लाख करोड़ के पार

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि यह प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है और इसके निर्यात में भदोही के कालीन उद्योग का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रदेश का निर्यात करीब 2.27 गुना बढ़कर दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पहले भदोही का हुनर अपनी राह तलाशता था। आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है। उन्होंने कहा कि जिन कारीगरों के हुनर ने भदोही के कालीनों को दुनिया तक पहुंचाया, उन्हें 2017 से पहले बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब यह हुनर विकास और वैश्विक बाजार, दोनों से जुड़ रहा है। सीएम ने कहा कि हाथ से बनी भदोही की कालीनों की मांग आज पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है, जो वैश्विक मंच पर यूपी के हुनर का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने बताया कि एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण की रविवार को शुरुआत हुई। इस अवसर पर वह कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और उद्यमियों से संवाद किया। योगी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान भदोही, औराई और ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ रुपए से ज्यादा की 112 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा और कई योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे।

पुलिस ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाह रही जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया

नई दिल्ली। महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपों पर कॉकरोच जनता पार्टी के सह संयोजक सौरभ दास ने दिल्ली पुलिस और एसीपी पर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर एसीपी को बचाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने के लिए चेतावनी भी दी है। सौरभ दास ने दावा किया है कि जिनके साथ छेड़छाड़ हुई, वे पत्रकार और अन्य लोग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। वे एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे, लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हम उनके समर्थन के लिए पहुंचे और दिल्ली पुलिस से बात की। दिल्ली पुलिस अड़ी हुई है कि वे एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे। सौरभ ने कहा कि हम दिल्ली पुलिस से पूछना चाहते हैं कि आप ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाहते हैं जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया है। ऐसा क्या है एसीपी विवेक भगत के पास जिसकी वजह से उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। सौरभ ने बताया है कि उन्होंने दिल्ली पुलिस को सोमवार दोपहर तक का समय दिया है। एफआईआर दर्ज ना होने पर उन्होंने फिर एक बार प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको जितने वीडियो खंगालने है, खंगालिए लेकिन आपके पास कल 12 बजे तक का समय है। अगर कल 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो सारे पत्रकार और अन्य समर्थक एक बार फिर थाने के बाहर आएंगे और एफआईआर की कॉपी लेकर ही जाएंगे। वहीं अन्य एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस विवेक भगत को बचा रही है और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर रही है। उन्होंने लिखित शिकायत और वीडियो की जांच करने के लिए हमसे कुछ समय मांगा है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हुमायूं खुद कहें भाजपा में जाएंगे, तभी मानेंगे-अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के भाजपा में शामिल होने की तेज होती चर्चाओं के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस बात पर तभी भरोसा करेंगे, जब हुमायूं कबीर स्वयं भाजपा में शामिल होने की बात कहेंगे। अधीर रंजन चौधरी ने अपनी हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इस संबंध में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन यह खबर उन्हें चौंकाने वाली लगती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य की राजनीतिक गलियारों में कबीर के भाजपा में संभावित प्रवेश को लेकर अटकलें लगातार बढ़ रही हैं। हुमायूं कबीर इस समय अपनी पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों और भाजपा के नेताओं के साथ उनके कथित राजनीतिक संपर्क को लेकर यह चर्चा काफी तेज हुई है। 2 अक्टूबर को मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में कबीर ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यदि उनकी पार्टी जीतती है और रेजीनगर को मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाने का उनका वादा पूरा नहीं होता है, तो वह और उनके बेटे सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। उनके इस बयान को भाजपा के प्रति झुकाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जिसने अटकलों को और हवा दे दी। हुमायूं कबीर का पहले भी राजनीतिक दल बदलने का इतिहास रहा है, वह पूर्व में तृणमूल कांग्रेस से भी जुड़े रहे हैं। 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने अपनी पार्टी, एजेयूपी, के साथ अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। उनकी पार्टी ने रेजीनगर सीट पर होने वाले उपचुनाव में उनके बेटे गुलाम नबी आजाद को अपना उम्मीदवार बनाया है, जो इस क्षेत्र में उनकी राजनीतिक पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास है। भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं से जुड़े सवाल पर अधीर रंजन चौधरी ने साफ शब्दों में कहा कि वह अभी इस बारे में कोई पक्की बात नहीं कह सकते। उनके अनुसार, जब तक हुमायूं कबीर खुद इस मामले पर कोई स्पष्टीकरण नहीं देते, तब तक वह ऐसी खबरों पर विश्वास नहीं करेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दल-बदल की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं, जिससे राज्य का राजनीतिक परिदृश्य और भी जटिल हो जाता है। कबीर के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, और यह देखना दिलचस्प होगा कि उनकी राजनीतिक यात्रा किस दिशा में मुड़ती है।

सड़क पर मौत बनकर दौड़ रही थी वेन्यू कार लहराते वाहन से बचने सड़क से कूदे लोग

गोंदिया रोड से शहर की ओर आ रही कार ने मचाई अफरा-तफरी, राहगीरों को कुचलने की आशंका से लोग सड़क से हटे , पार्षद ने भी कूदकर बचाई जान, पुलिस ने वाहन की तलाश शुरू की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 4 अक्टूबर की शाम करीब 4-30 बजे गोंदिया रोड की ओर से शहर की तरफ आ रही एक वेन्यू कार ने सड़क पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बना दिया, जब वाहन चालक द्वारा कथित रूप से तेज रफ्तार में कार को लहराते हुए चलाया गया। कार क्रमांक एमपी -20, सी.जे - 9570 के सड़क पर अनियंत्रित तरीके से दौड़ने के कारण सामने से और अपनी साइड से जा रहे राहगीरों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार कभी सड़क के एक तरफ तो कभी दूसरी तरफ तेजी से बढ़ रही थी, जिससे सामने आने वाले लोगों को अपनी जान बचाने के लिए सड़क से हटना पड़ा। कई लोगों ने अचानक सड़क से नीचे उतरकर या किनारे हटकर खुद को वाहन की चपेट में आने से बचाया। कुछ ही समय में यह घटनाक्रम सड़क पर मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया और वाहन चालक को रोकने की कोशिश भी शुरू हुई।

इस घटनाक्रम को लेकर वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद सोहेल खान ने बताया कि वह भी अवंतीबाई चौक से बैहर चौकी की ओर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान उक्त वेन्यू कार उनके सामने आई। उनके अनुसार वाहन इतनी तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाया जा रहा था कि उन्हें भी सड़क से नीचे कूदकर अपनी जान बचानी पड़ी। सोहेल खान का कहना है कि यदि वह समय रहते पीछे नहीं देखते और सड़क पर ही खड़े रहते तो वाहन की चपेट में आ सकते थे। उन्होंने बताया कि उनके कुछ साथियों सहित रास्ते में मौजूद अन्य लोगों को भी अलग-अलग स्थानों पर वाहन से बचने के लिए सड़क से नीचे उतरना पड़ा। बैहर रोड और काली पुतली चौक सहित जिन-जिन स्थानों से यह वाहन गुजरा, वहां भी लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बना रहा। बताया गया कि घटना की सूचना मिलने के बाद बैहर चौकी से पुलिस को जानकारी दी गई। वाहन को रोकने और चालक तक पहुंचने के लिए कुछ लोगों ने वाहन का पीछा करने का प्रयास भी किया। इसी दौरान वाहन की फोटो और वीडियो बनाए गए, जिन्हें पुलिस को उपलब्ध कराया गया। इसके बाद वाहन के नंबर के आधार पर पुलिस द्वारा कार के मालिक और चालक का पता लगाने का प्रयास शुरू किया गया। मामले की सूचना कोतवाली पुलिस के साथ-साथ भरवेली, रुपझर और अन्य संबंधित थानों को भी दी गई, ताकि वाहन किसी दूसरे थाना क्षेत्र की ओर निकलने की स्थिति में उसे रोका जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार वाहन क्रमांक के आधार पर जानकारी जुटाई जा रही है और चालक तक पहुंचने के लिए कार्रवाई की जा रही है। इधर पार्षद सोहेल खान ने दावा किया कि इस वाहन की चपेट में आने से दो लोगों के चोटिल होने की जानकारी भी सामने आई है, हालांकि फिलहाल घायलों के नाम और उनकी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि वाहन चालक जिस तरह से तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह किसी घटना के बाद मौके से निकलने का प्रयास कर रहा हो सकता है। हालांकि यह केवल उनका दावा और आशंका है तथा पुलिस ने अभी तक इस संबंध में किसी घटना और वाहन चालक की मंशा को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिलहाल पुलिस का पूरा ध्यान वाहन और चालक का पता लगाने तथा घटनाक्रम के वास्तविक कारणों की जांच पर है। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वाहन चालक ने इतनी तेज रफ्तार और कथित लापरवाही से वाहन क्यों चलाया तथा इस दौरान वास्तव में कोई व्यक्ति घायल हुआ या नहीं।

सड़क पर मवेशी छोड़े तो मालिकों पर होगी कार्रवाई

एसडीएम ने नगर पालिका को दिए निर्देश, अतिक्रमण हटाने गोंदिया रोड समेत प्रमुख मार्गों पर उतरेगी टीम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर की सड़कों पर खुलेआम घूम रहे आवारा मवेशियों और इनके कारण लगातार बन रही दुर्घटनाओं की स्थिति को देखते हुए अब नगर पालिका प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। 4 अक्टूबर को आयोजित सेवा सेतु शिविर में पहुंचे जिला प्रशासन के अधिकारियों और एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी ने नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर सहित नगरपालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों से शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चा की। इस दौरान सड़कों पर घूम रहे मवेशियों के साथ-साथ प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर भी गंभीर नाराजगी जताई गई। एसडीएम गोपाल सोनी ने नगर पालिका अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क पर आवारा घूमने वाले मवेशियों को तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही केवल मवेशियों को पकड़कर छोड़ देने के बजाय उनके मालिकों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि लोग अपने मवेशियों को खुले में छोड़ने से बाज आएं। प्रशासन का मानना है कि सड़क पर बैठे और घूमते मवेशियों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। खासकर व्यस्त मार्गों पर यह स्थिति लगातार परेशानी का कारण बन रही है। इसी के साथ शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर भी नगर पालिका को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सड़क किनारे अवैध रूप से दुकान, सामग्री या अन्य तरीके से किए गए अतिक्रमण के कारण मार्ग संकरे हो रहे हैं और यातायात प्रभावित हो रहा है। प्रशासन के निर्देश के बाद नगर पालिका की टीम जल्द ही गोंदिया रोड सहित शहर के प्रमुख हिस्सों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए मैदान में उतरने की तैयारी कर

रही है। इस कार्रवाई में आवश्यकता के अनुसार जिला प्रशासन की टीम भी नगर पालिका के साथ रहेगी। एसडीएम गोपाल सोनी ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि आवारा मवेशियों और अतिक्रमण दोनों मामलों में अब औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रभावी कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। नगर पालिका को कार्रवाई की कार्ययोजना तैयार कर जल्द अमल करने के लिए कहा गया है। प्रशासन की इस सख्ती के बाद अब देखना होगा कि सड़क पर मवेशी छोड़ने वाले पशु मालिकों और सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण करने वालों पर कितनी प्रभावी कार्रवाई होती है और शहरवासियों को दुर्घटना व यातायात की समस्या से कितनी राहत मिलती है।

मानदेय को लेकर रसोइयों का धरना जारी, अब भूख हड़ताल की चेतावनी

जनपद पंचायत के सामने कई दिनों से डटीं रसोइया बहनें, सुनवाई नहीं होने से नाराज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते कई दिनों से जनपद पंचायत कार्यालय के सामने रसोइया संगठन की महिलाएं अपने मानदेय सहित विभिन्न स्थानीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही हैं। रविवार को धरना स्थल पर मौजूद संगठन की महिलाओं ने कहा कि लंबे समय

से अपनी मांगों को लेकर वे आंदोलन कर रही हैं, लेकिन अब तक जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से उनकी सुध लेने कोई नहीं पहुंचा। महिलाओं का कहना है कि लगातार काम करने के बावजूद मानदेय को लेकर भी उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। धरना दे रही रसोइया बहनों ने बताया कि उनकी मांगों को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उनका आरोप है कि शासन की विभिन्न योजनाओं और स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से कई दिनों से धरने पर बैठी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अपेक्षित पहल नहीं होने से अब उनका आक्रोश बढ़ता जा रहा है। संगठन की सदस्य किरण खोबरागड़े ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वे अनिश्चितकालीन धरने के साथ भूख हड़ताल शुरू करने के लिए मजबूर होंगी। इसके बाद भी यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन की महिलाएं भोपाल पहुंचकर धरना प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बार-बार आश्वासन लेकर आंदोलन समाप्त करने का अब कोई सवाल नहीं है, जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। रसोइया संगठन की महिलाओं ने कहा कि वे अपनी मांगों से पीछे हटने वाली नहीं हैं। उनका कहना है कि कई दिनों से धरना देने के बावजूद यदि प्रशासन उनकी आवाज नहीं सुन रहा है तो आने वाले दिनों में आंदोलन का स्वरूप और व्यापक किया जाएगा। महिलाओं ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण करते हुए मानदेय सहित लंबित मांगों पर उचित निर्णय लिया जाए, अन्यथा इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट